शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 84 | गुवाहाटी | बुधवार, 23 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बेंगलुरु : लगातार बारिश से गिरी इमारत, मलबे में दबे 17 लोग, 3 की मौत पेज 2
आधुनिक युग तकनीकी में महारत हासिल करके ज्ञान प्राप्त करने का... पेज 3
पश्चिमी राजस्थान में लगेगी 60 गीगावाट क्षमता की सोलर, विंड एवं ... पेज 5
2026 राष्ट्रमंडल खेलों से हटाए गए हॉकी, निशानेबाजी, क्रिकेट, बैडमिंटन और कुश्ती पेज 7

## 57 महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करना हमारी प्राथमिकता : हिमंत

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों की सामूहिक प्राथमिकता 57 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय पर पूरा करना है। शर्मा ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई एक समीक्षा बैठक में भाग लिया और उनसे राज्य में जोरहाट-डिब्रूगढ़ राजमार्ग को जल्द पूरा करने सहित प्रमुख परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट कर कहा कि आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में मुझे एक समीक्षा बैठक में भाग लेने का सौभाग्य मिला, जो असम में 1001 किलोमीटर राजमार्ग परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित थी। विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ हमारी सामूहिक प्राथमिकता 57 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय पर पूरा करना है। उन्होंने कहा कि काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के संरेखण (अलाइनमेंट) को मंजूरी दे दी गई है और ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे गोहपुर-नुमालीगढ़ सुरंग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी पूरी होने वाली है। शर्मा ने कहा कि बाइहाटा चरियाली-तेजपुर राजमार्ग खंड के चार लेन के काम को पूरा करने का भी आग्रह किया -शेष पृष्ठ दो पर

## केंद्रीय मंत्री गडकरी ने असम के मुख्यमंत्री के साथ एनएच परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की

**गुवाहाटी/नई दिल्ली (हि.स.)।** केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) और एनएचएआई के तहत असम में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं और आगामी परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री शर्मा, एनएचआईडीसीएल, एनएचएआई और राज्य पीडब्ल्यूडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने असम में एनएचआईडीसीएल के तहत चल रही 28 परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और 11 विलंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने को कहा। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को एसएआरडीपी-एनई के तहत एनएच 37 के जोरहाट से झांजी तक 14 किलोमीटर और झांजी से डिमो तक 11 किमी के फोर-लेनिंग के शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से एनएच 37 के इस महत्वपूर्ण हिस्से पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उचित स्थानों पर सड़क संकेत लगाने को भी कहा। राष्ट्रीय राजमार्ग 37 के मोरन बाइपास के डेमो से -शेष पृष्ठ दो पर

## खाई में गिरी पिकअप, चालक समेत तीन की मौत

**देहरादून (हि.स.)।** उत्तराखंड राज्य के पौड़ी गढ़वाल जनपद में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। थलीसैंण थाना क्षेत्रांतर्गत रसिया महादेव-ठाकुलसारी मोटर मार्ग पर रणिहाट गांव के समीप एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन चालक समेत तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार स्कूली बच्चे घायल हो गए। थलीसैंण थाना प्रभारी सुनील पंवार ने बताया कि पिकअप वाहन नैनीडांडा के -शेष पृष्ठ दो पर

## सीएए : विधायक अखिल गोगोई के खिलाफ यूएपीए कानून के तहत आरोप तय

**नई दिल्ली।** एनआईए की एक विशेष अदालत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में हुए प्रदर्शन में भूमिका होने के आरोप में असम के विधायक अखिल गोगोई एवं उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए। गोगोई के वकील शांतनु बरठाकुर ने कहा कि एनआईए के विशेष न्यायाधीश एस. के. शर्मा ने उनके (गोगोई) खिलाफ यूएपीए की धारा 18 (साजिश) और आईपीसी की धाराओं 120 बी (आपराधिक साजिश), 153 ए (वैमनस्वता को बढ़ावा देना) और राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले बयानों से संबंधित धारा 153 बी के तहत आरोप तय किए। वहीं अन्य आरोपी धैज्य कुंवर, बिट्टू सोनोवाल और मानस कुंवर के खिलाफ यूएपीए की धारा 18 और आईपीसी की धारा 120बी के तहत आरोप तय किए गए। अदालत ने आतंकवादी संगठन को समर्थन देने से संबंधित यूएपीए की धारा 39 और आईपीसी की धारा 124 ए (देशद्रोह) को खारिज कर दिया। एनआईए ने अपने आरोप पत्र में इसकी मांग की थी। अदालत के आरोप तय करने पर अखिल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

### सुप्रभात

*चंचल चित वाले के कार्य कभी समाप्त नहीं होते।*

**- आचार्य चाणक्य**

एनकाउंटर मामले में एससी ने असम सरकार से पूछा सवाल, कहा-

## क्या पुलिस एक समुदाय को निशाना बना रही है

**नई दिल्ली।** असम के एक एनकाउंटर मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से सवाल किया है। कोर्ट ने पूछा, क्या राज्य पुलिस मुठभेड़ के जरिए किसी विशेष समुदाय को निशाना बना रही है? सुप्रीम कोर्ट ने आरिफ यसीन जवादर बनाम असम सरकार मामले में यह सवाल किया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने फर्जी मुठभेड़ मामलों को लेकर पुलिस की धीमी जांच के बारे में भी सरकार से सवाल किया। जस्टिस भुइयां ने कहा कि क्या पुलिसकर्मी एक समुदाय को निशाना बना रहे हैं? अपने कर्तव्यों में ये अति कर रहे हैं? इस तरह की याचिकाओं को समय से पहले की प्रकृति का बताकर खारिज नहीं किया जा सकता है। मजिस्ट्रियल जांच अब तक नहीं चलनी चाहिए। इसमें मुश्किल से 10 या 15 दिन लगने चाहिए। ये घटनाएं 2021 -शेष पृष्ठ दो पर

## भाजपा ने मेघालय और पंजाब में उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित किए

**नई दिल्ली।** भाजपा ने मेघालय और पंजाब में उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। इस कड़ी में मनप्रीत बादल पंजाब के गिद्दड़बाहा से चुनाव लड़ेंगे। वहीं डेरा बाबा नानक सीट से सरदार रविकरण कहलों और बरनाला से सरदार केवल सिंह ढिल्लों उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। भाजपा की तरफ से मेघालय के गाम्ब्रेगे सुरक्षित सीट से बर्नार्ड मारक को उम्मीदवार बनाया गया है। इससे पहले भाजपा ने असम, बिहार, -शेष पृष्ठ दो पर

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से कहा-*

## यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार

**कजान।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की और उनसे कहा कि वे यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र, शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं और उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति लाने में मदद करने के लिए तैयार है। मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि मैं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के विषय पर लगातार आपके संपर्क में रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा है कि हमारा मानना है कि समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना -शेष पृष्ठ दो पर

### न्यूज गैलरी

## एटीएस ने 21 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया

**मुंबई (हि.स.)।** एंटी टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने मंगलवार को पुणे जिले के रंजनगांव एमआईडीसी इलाके में छापा मारकर 21 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 15 पुरुष, 04 महिला एवं 02 तृतीय पंथीय शामिल है। एटीएस की टीम ने इन लोगों के पास से -शेष पृष्ठ दो पर

## केंद्र ने तस्लीमा नसरीन का रेसिडेंस परमिट बढ़ाया

**नई दिल्ली (हि.स.)।** केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन को दिए गए निवास परमिट को बढ़ा दिया है। इसके लिए लेखिका ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया है। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों की धमकियों के कारण तस्लीमा नसरीन पिछले दो दशकों से भारत में रह रही हैं। नसरीन ने सोमवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अमित -शेष पृष्ठ दो पर

## देश के कई सीआरपीएफ स्कूलों को मिली बम की धमकी

**नई दिल्ली।** देश में सीआरपीएफ द्वारा संचालित कई स्कूलों को बम की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद पुलिस बल अलर्ट पर है और धमकियों की जांच की जा रही है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें दो दिल्ली और एक हैदराबाद का स्कूल है। गौरतलब है कि देश में इन दिनों विभिन्न एयरलाइंस भी बम की धमकी मिलने का सिलसिला जारी है। इसके चलते विभिन्न एयरलाइंस को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने बताया कि ईमेल के जरिए स्कूल प्रबंधन को ये बम की धमकी मिलीं। गौरतलब है कि ये धमकियां दिल्ली के रोहिणी में स्थित सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास -शेष पृष्ठ दो पर

## वक्फ बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा, तृणमूल सांसद निलंबित

**नई दिल्ली (हि.स.)।** वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी को समिति की बैठक में भाग लेने से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया है। यह निर्णय आज संसद भवन में जेपीसी की बैठक के दौरान उनके अभद्र व्यवहार के बाद समिति के अध्यक्ष ने लिया। सूत्रों के अनुसार वक्फ (संशोधन) विधेयक पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी को एक दिन के लिए निलंबित करने के प्रस्ताव के समर्थन में जेपीसी के 10 सदस्यों ने वोट डाले जबकि विरोध में 08 वोट पड़े। बैठक के बाद पत्रकारों के बातचीत में समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने कहा कि उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को घटना से अवगत करा दिया है। यह एक बड़ी घटना थी और पहली बार हमें मजबूरी में बैठक -शेष पृष्ठ दो पर

## अमरेली में पांच साल के मासूम बच्चे को शेरनी ने मार डाला

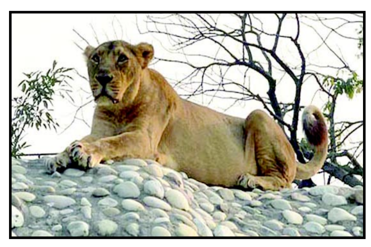

**अमरेली।** गुजरात के अमरेली जिले से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक शेरनी ने खेतिहर मजदूर के पांच साल के मासूम बच्चे को नोंच-नोंच कर मार डाला। वन अधिकारी जीएल वघेल ने मंगलवार को बताया कि बच्चा जफराबाद तालुका के नवी जिकादरी गांव में अपने घर के बाहर खेल रहा था। उसी समय वहां एक शेरनी आ गई और उसपर हमला कर दिया। बाद में बच्चे को लेकर कहीं चली गई। काफी ढूंढने के बाद स्थानीय लोगों और वन विभाग के अधिकारी को बच्चे का शव मिला। वघेल ने बताया कि बच्चे को तुरंत अस्पताल लेकर गए, -शेष पृष्ठ दो पर

## एक लाख नई व मौजूदा डेयरियों को सशक्त कर मिल्क रूट्स का होगा विस्तार : अमित शाह

**आणंद (गुजरात) (हि.स.)।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गुजरात के आणंद में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के हीरक जयंती समारोह एवं त्रिभुवन पटेल की जयंती पर 300 करोड़ रुपए की लागत से अनेक किसान कल्याणकारी गतिविधियों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय तथा पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह सहित अनेक गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हाल ही में श्वेत क्रांति 2.0 की एसओपी जारी की गई है, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा बताए गई किसान हितोन्मुखी सभी प्रमुख बातों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि हम एक लाख नई और मौजूदा डेयरियों को सशक्त करेंगे और इस दूसरी श्वेत क्रांति से मिल्क रूट्स का भी विस्तार होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि त्रिभुवन दास एक ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनके कर्मठ जीवन की व्याख्या शायद ही कोई कर सकता है। त्रिभुवन दास ने स्व को त्याग कर देश के गरीब किसानों -शेष पृष्ठ दो पर

## ईरान को नक्शे से मिटाने की फिराक में इजराइल अमेरिका ने मास्टर प्लान किया लीक

**वाशिंटन।** इन दिनों इजराइल हमास एवं हिजबुल्लाह के खिलाफ दो मोर्चों पर युद्ध कर रहा है। इन दोनों ही समूहों को ईरान का समर्थन प्राप्त है, जिससे इजराइल के लिए ईरान एक बड़ा दुश्मन बन गया है। इजराइल का गुस्सा चरम पर है और वो ईरान को नक्शे से मिटाने की फिराक में है लेकिन उसका मास्टर प्लान अमेरिका ने लीक कर दिया है। हाल ही में लीक हुए अमेरिकी खुफिया दस्तावेजों से यह खुलासा हुआ है कि इजराइल ने ईरान पर मीडियम रेंज की बैलिस्टिक जेरिको-2 मिसाइल से हमला करने की योजना बनाई थी, जिसके अंतर्गत 16 अक्तूबर को ईरान पर बमबारी की जानी थी। हालांकि, यह हमले बाद में रोका गया। जेरिको-2 मिसाइल को बेहद खतरनाक माना जाता है क्योंकि यह सुपरसोनिक स्पीड से चलती है। ईरान के पास इस प्रकार की मिसाइलों को रोकने का कोई उपयुक्त साधन मौजूद नहीं है। यह मिसाइल तीन अलग-अलग वैरिएंट्स में आती है, जिनकी मारक क्षमता क्रमशः 500, 1500 और 4800 किलोमीटर है। इजराइल ने इस मिसाइल को अपनी सैन्य शक्ति में शामिल किया है, हालाँकि इसमें परमाणु बम -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# बेंगलुरु : लगातार बारिश से गिरी इमारत, मलबे में दबे 17 लोग, 3 की मौत

**बेंगलुरु।** कर्नाटक में लगातार हो रही बारिश का असर अब नजर आने लगा है। इस बारिश की वजह से बेंगलुरु मेंहेनूर के पास बाबूसबपाल्या में एक निर्माणाधीन इमारत भरभराकर गिर गई। इस हादसे के वक्त इमारत के अंदर 20 से अधिक लोग काम कर रहे थे। सूचना मिलने पर हरकत में आई पुलिस और आपदा राहत टीम ने इनमें से 3 मजदूरों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया है। वहीं इमारत के मलबे में से तीन मजदूरों के शव निकाले गए हैं। अभी भी बताया जा रहा है कि मलबे में 17 से अधिक लोग दबे हो सकते हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड और आपदा राहत टीम ने जेसीबी की मदद से

बड़े स्तर पर राहत कार्य शुरू किया है। पुलिस के मुताबिक मलबे को हटाया जा रहा है। चूंकि मलबे के नीचे से आवाजें आ रही हैं, इसलिए संभावना है कि अंदर फंसे लोग जिंदा हैं। पुलिस ने बताया कि यह हादसा मंगलवार की दोपहर का है। सूचना मिलते ही पुलिस ने फायर ब्रिगेड और आपदा राहत टीम के साथ मौके पर पहुंच कर मलबे को हटाना शुरू कर दिया था। इसी क्रम में तीन मजदूरों को घायलावस्था में बाहर निकाला गया है, वहीं तीन मजदूरों के शव निकाले गए हैं। मलबे के अंदर से जिंदा निकले मजदूरों ने ही पुलिस को बताया कि मलबे में 17 से अधिक लोग दबे पड़े हैं। यह सुनकर पुलिस ने राहत कार्य में स्थानीय लोगों से भी मदद लेकर काम शुरू किया है। वहीं घटना की जानकारी होने पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से फोन पर बात की। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से हालात का जायजा लेने के बाद राहत कार्य तेज करने और सभी घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के आदेश दिए हैं।

# बिलासीपाड़ा में लगी आग में चार घर जलकर राख

**धुबड़ी ( हिंस )।** धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा में सोमवार की रात लगी भीषण आग में चार घर जलकर राख हो गए। आग काठालदी द्वितीय खंड गांव में लगी। आशंका जताई जा रही है कि बिजली की शार्ट सर्किट के कारण आग लगी। आग में गांव के अशरफ अली, नौशाद अली, बाला शेख और अब्दुल हक के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग लगने से घर में रखे धान और चावल समेत सभी जरूरी दस्तावेज जलकर राख हो गए। आग के कारण 10 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। बिलासीपाड़ा फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। जिससे गांव के बाकी घर बच गए।

# सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

**बरपेटा ( हिंस )।** जिले के बजाली में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब बजाली में भोटांत सादेरी बदनकुची चौक पर मोटरसाइकिल (एएस- 15 जे- 3461) और स्कूटी (एएस- 15यू- 8549) की आमने-सामने की टक्कर हो गई। मृतक की पहचान बजाली के निकटवर्ती भोगपुर गांव के भृगु ठाकुरिया के रूप में हुई है।

# पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति के बीच कल होगी द्विपक्षीय वार्ता

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बुधवार को द्विपक्षीय वार्ता होगी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने रूसी शहर कजान में पत्रकार वार्ता में एक प्रश्न के उत्तर में इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत का एजेंडा और समय तय हो गए हैं। गलवान घाटी की घटना और सीमा पर तनाव के चलते दोनों देशों के बीच 2020 से रिश्तो में खटास चल रही थी। इससे पहले विदेश सचिव ने जानकारी दी थी कि भारत और चीन के बीच लद्दाख के नजदीक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त को लेकर सहमति बनी है। इससे क्षेत्र में दोनों ओर से अग्रिम मोर्चे पर तैनाती खत्म होगी। इसके बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि दोनों नेता ब्रिक्स सम्मेलन के इतर मुलाकात कर सकते हैं।

# महिला कैदियों को रोजगारपरक बनाने की दिशा में हो रहा काम : रेनू भाटिया

**सिरसा ( हिंस )।** हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने मंगलवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया और वहां रह रही महिला कैदियों की स्थिति के बारे में जेल अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने महिला कैदियों को दी जा रही सुविधाओं के साथ-साथ साफ-सफाई व्यवस्था का बारिकी से जायजा लिया। चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने कहा कि सिरसा की जेल में 48 से 50 महिला बंदी हैं। यह बहुत ही अफसोस की बात है कि बहुत सी महिला कैदी चीटे के केस में बंद है। ऐसी महिला बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए आयोग की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हें रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि जब भी ये बाहर निकले तो समाज की मुख्यधारा से जुड़ें और दोबारा क्राइम की ओर ना जाएं। इस संबंध में उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के साथ बातचीत की गई है और जल्द ही इस दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जेल अधीक्षक कैदियों को नशा से मुक्त करने व क्राइम लाइन से दूर करने की दिशा में बेहतर प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए कैदियों को स्पोर्टस, कुकिंग, पैकिंग आदि कार्य जोड़ा जा रहा है, जोकि बहुत ही सराहनीय पहल है। महिलाओं के मामले में ऐसी कई महिला बंदी है, जिन्हें उनके परिवार या सगे संबंधी एडोपट नहीं करते हैं। ऐसे में ये महिलाएं दोबारा से क्राइम की ओर चली जाती है। इसके लिए हमने महिलाओं की टीम बनाई है, जोकि इन महिला कैदियों को लीगल सहयोग के साथ-साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में कार्य करेंगी।

## कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। प्रतिनिधिमंडल ने असम के डिमा हसाओ जिले के उमरांग्सो में आदिवासियों के लिए संरक्षित 9000 बीघा भूमि अडानी समूह को आवंटित करने का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार के कदम के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। बोरा ने राज्यपाल से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया।

# भारत-पाकिस्तान करतारपुर कॉरिडोर समझौते को मिला पांच साल का विस्तार

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारत और पाकिस्तान ने राजनयिक माध्यम से श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर समझौते की वैधता को पांच वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस समझौते की वैधता के विस्तार से भारत से पाकिस्तान स्थित पवित्र गुरुद्वारा जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए कॉरिडोर का निर्बाध संचालन सुनिश्चित होगा। इसके साथ भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान से तीर्थयात्रियों पर कोई शुल्क या प्रभार नहीं लगाने का आग्रह किया है। पाकिस्तान प्रति तीर्थयात्री प्रति यात्रा 20 अमेरिकी डॉलर का सेवा शुल्क लगता है। इसे हटाने के लिए तीर्थयात्रियों निरंतर अनुरोध करते आ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर, नरोवाल, पाकिस्तान तक तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए 24 अक्तूबर 2019 को पांच साल के लिए समझौता हुआ था।

# पृष्ठ एक का शेष

## 57 महत्वपूर्ण राजमार्ग ...

गया। उन्होंने गडकरी से ब्रह्मपुत्र नदी पर कमलाबाड़ी और निमती घाट को जोड़ने वाले माजुली पुल के लिए फिर से निविदा जारी करने का अनुरोध किया। पुल का काम सितंबर की शुरुआत से ही रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि बैठक में केंद्रीय जलमार्ग और पत्तन मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और असम के सांसद भी शामिल हुए। गडकरी ने मंगलवार को दिल्ली में असम, मेघालय, मिजोरम और सिक्किम की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की।

## केंद्रीय मंत्री गडकरी ...

अंत तक चार लेन का शेष कार्य, मांजा बाइपास सहित एनएच (ओ), एनई के तहत एनएच 29 के कवाराम तारो गांव-दिलाई खंड के पेव्ड शोल्डर के साथ फोर-लेन का चौड़ीकरण, मोरान बाईपास के अंत से बोगीबील तक एनएच 37 का चार लेन का विकास, एनएच 52 के जामुगुरीहाट छोर से बिश्वनाथ चरियाली बाइपास तक चार लेन का विकास और उन्नयन, इंडुंगलो से जाटिंगा जंक्शन और एनएच 54 के जाटिंगा से हरांगजाओ तक के निर्माण की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा के अनुरोध पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अधिकारियों से कहा कि वे 5,729 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 121 किमी लंबे गुवाहाटी रिंग रोड के लिए अनुबंध देने की प्रक्रिया नवंबर के अंत तक पूरी करें। 5,500 करोड़ रुपए की लागत से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के ऊपर 85 किमी से अधिक लंबाई के एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए डीपीआर प्रस्तुत करें और ब्रह्मपुत्र पर माजुली पुल के लिए फिर से निविदा जारी करें। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से गोहपुर-नुमालीगढ़ सुरंग निर्माण, ब्रह्मपुत्र पर कमलाबाड़ी और निमातिघाट को जोड़ने वाले माजुली पुल, बाइहाटा चरियाली से तेजपुर राजमार्ग खंड को चार लेन का बनाने और एनएच 15 पर मंगलदोई बाईपास के निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि एनएचआईडीसीएल और एनएचएआई राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के दौरान दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मौजूदा सड़कों को अच्छी स्थिति में रखा जाए। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने एनएचआईडीसीएल के जीएम सहित वरिष्ठ अधिकारियों से उन ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने को कहा, जिन्होंने मौजूदा सड़कों को अच्छी स्थिति में रखने के प्रावधानों का पालन नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अप्रैल से अक्तूबर तक के मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए असम और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में सिविल कार्यों के लिए अलग कार्यसूची तैयार करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के सुझाव को ध्यान में रखते हुए उन्होंने केंद्रीय सड़क एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों को इस पर काम करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में शामिल हुए केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से धुबड़ी नदी बंदरगाह के साथ चार लेन की सड़क कनेक्टिविटी के लिए प्रक्रिया को सही ढंग से शुरू करने का आग्रह किया। बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने लिखा कि आज नई दिल्ली में, मुझे केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी के नेतृत्व में एक समीक्षा बैठक में भाग लेने का सौभाग्य मिला, जो असम में 1001 किमी राजमार्ग परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित थी। हमारी सामूहिक प्राथमिकता विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों में 57 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समय पर पूरा करना है। समीक्षा बैठक में विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्घेरिटा, सांसद दिलीप सैकिया, राज्य के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, वरिष्ठ अधिकारी ज्ञानेंद्र देव त्रिपाठी, केके द्विवेदी, आरपी सिंह और राज चक्रवर्ती भी उपस्थित थे।

## खाई में गिरी ...

भटवाड़ों से बीरोंखाल ब्लाक के बंदरकोट जा रहा था। इसी बीच रसिया महादेव-ठाकुलसारी मोटर मार्ग पर वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। वाहन में छुट्टी के बाद घर जा रहे इंटर कालेज ललितपुर के छात्र भी सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस टीम ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। साथ ही ग्रामीणों की मदद से पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने खाई में गिरे सभी लोगों को ऊपर सड़क पर लाया, जिन्हें उपचार के लिए तत्काल बिरोखाल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत वाहन चालक आनंद सिंह (60) पुत्र शेर सिंह निवासी ग्राम क्वीन धुमाकोट समेत मोहन सिंह (65) पुत्र कोतवाल सिंह निवासी किंगोडीखाल धुमाकोट व अर्जुन सिंह (60) पुत्र गुमान सिंह निवासी ग्राम बंदर कोट तह बीरोंखाल को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल सानू (16) पुत्र सुरेंद्र सिंह निवासी ठाकुलसारी बिरोखाल, अनुराग (14) पुत्र रनवीर सिंह निवासी ठाकुलसारी बिरोखाल, आदित्य (14) पुत्र रनवीर सिंह नेगी निवासी ठाकुलसारी बिरोखाल का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरोखाल में उपचार चल रहा है। वहीं गंभीर रूप से घायल आयुष (11) पुत्र चंद्र सिंह निवासी ठाकुलसारी को बेहतर उपचार के लिए रामनगर रेफर किया गया है। वहीं हादसे का कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल चारों स्कूली बच्चों ने पिकअप चालक से लिफ्ट ली थी।

## सीएए : विधायक अखिल...

गोगोई ने कहा कि इससे एक बार फिर यह साबित होता है कि हम लोगों के साथ हैं और यह सरकार हमें जेल में बंद करना चाहती है। फासीवादी और सांप्रदायिक सरकार के खिलाफ लड़ाई बहुत कठिन है। गोगोई ने कहा कि सभी चारों लोग अपने खिलाफ आरोप तय किए जाने के विरोध में गुवाहाटी उच्च न्यायालय जाएंगे। एनआईए दिसंबर 2019 में राज्य में हुए हिंसक नागरिकता (संशोधन) अधिनियम आंदोलन में कथित भूमिका के लिए गोगोई और उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ दो मामलों की जांच कर रही है। संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ कथित हिंसक प्रदर्शन के मामले में गोगोई को दिसंबर 2019 में गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। गोगोई पर आरोप है कि उनके कथित भड़काऊ भाषणों के बाद हिंसा की घटनाएं हुईं।

## क्या पुलिस एक ...

और 2022 की हैं। अब यह निरर्थक होगा। पीठ ने कहा कि फर्जी मुठभेड़ों के मामले में राज्य का अतीत परेशानी भरा रहा है। कोर्ट ने कहा कि चाहे जो भी हो, यह नहीं कहा जा सकता कि एनकाउंटर नहीं हुए। राज्य का अतीत परेशानी भरा रहा है, ऐसी खबरें भी हैं। आप इससे इनकार नहीं कर सकते। वहीं, उत्तर प्रदेश में मदरसों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा है, जिनमें मदरसों के संबंध में कानून को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के उल्लंघन के आधार पर असंवैधानिक करार दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर सोमवार को अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद और मेनका गुरुस्वामी सहित अन्य वकीलों की दलीलें सुनीं थीं। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 22 मार्च को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति उल्लंघनकारी माना था। साथ ही इसे असंवैधानिक करार दिया था।

## भाजपा ने मेघालय और ...

छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के विधानसभा उप चुनावों के लिए भी उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। असम के विधानसभा उपचुनाव में भाजपा ने ढोलाई (अनुसूचित जाति) सीट से निहार रंजन दास, बेहाली सीट से दिंगता घाटोवर और समागुरी सीट से दीप्लु रंजन शर्मा को उम्मीदवार बनाया है। जबकि बिहार के उपचुनाव में तरारी सीट से विशाल प्रशांत और रामगढ़ सीट से अशोक कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। छत्तीसगढ़ के उपचुनाव में रायपुर शहर दक्षिण सीट से सुनील सोनी को उम्मीदवार बनाया गया है। दक्षिण राज्य कर्नाटक के उपचुनाव में पार्टी ने शिग्गांव से भरत बसवराज बोम्मई और संदूर (अनुसूचित जनजाति) सीट से  से बंगारू हनुमंतु को उम्मीदवार बनाया है। केरल के उपचुनाव में पार्टी ने पलक्कड़ सीट से सी. कृष्णकुमार और चेलक्कारा (अनुसूचित जाति) सीट से के. बालकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। राजस्थान की झुंझुनू सीट पर राजेंद्र भांबू और रामगढ़ सीट पर सुखवंत सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं दौसा सीट से जगमनोहन मीणा, देवली उनियारा से राजेंद्र गुर्जर, खींवसर से रेवंत राम डांगा, सलूंबर (अनुसूचित जनजाति) से शांता देवी मीणा को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। जबकि, मध्य प्रदेश के उपचुनाव में भाजपा ने विजयपुर सीटच से रामनिवास रावत और बुधनी सीट से रमाकांत भार्गव को उम्मीदवार बनाया है। रमाकांत भार्गव 2019 लोकसभा चुनाव में विदिशा सीट सांसद चुने गए थे। वहीं, पश्चिम बंगाल की सिताई सीट (अनुसूचित जाति) से दीपक कुमार रॉय, मदारीहाट (अनुसूचित जनजाति) से राहुल लोहार, नैहाटी से रूपक मिश्रा, हरोआ से बिमल दास, मेदिनीपुर से सुभजित रॉय, तालडांगरा से अनन्या रॉय चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया गया है।

## यूक्रेन विवाद को ...

चाहिए। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र स्थापना का पूरा समर्थन करते हैं। हमारे सभी प्रयासों में मानवता को प्राथमिकता दी गई है। भारत आने वाले समय में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले तीन महीनों में रूस की उनकी लगातार यात्राओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत किया है। उन्होंने बैठक के दौरान कहा कि मैं आपकी मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। कजान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से ये संबंध और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री ने पुतिन से कहा यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। द्विपक्षीय बैठक में प्रधानमंत्री ने यूक्रेन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए हरसंभव सहयोग देने की भारत की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे विवाद के विषय पर मैं लगातार आपके संपर्क में रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा है, हमारा मानना है कि समस्याओं का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र स्थापना का पूरा समर्थन करते हैं। हमारे सभी प्रयासों में मानवता को प्राथमिकता दी जाती है। भारत आने वाले समय में हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले तीन महीनों में रूस की अपनी दो यात्राओं को भी याद करते हुए कहा कि वे हमारे घनिष्ठ समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाती हैं। पुतिन के अलावा प्रधानमंत्री के चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने और अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। यह शिखर सम्मेलन रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व संकट सहित चल रही वैश्विक अशांति के मद्देनजर हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि संबंधित पक्षों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष का समाधान खोजने की आवश्यकता है। पिछले महीने पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना *मित्र* माना और रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान की तलाश में भारत के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। यह तब हुआ जब रूसी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया। पुतिन की यह स्वीकृति प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उन्हें फोन करने और दो साल से चल रहे युद्ध के शीघ्र समाधान का आग्रह करने के दो महीने बाद आई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त में कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात की। यह इस साल प्रधानमंत्री की रूस की दूसरी यात्रा है। जुलाई में उन्होंने मास्को में 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इस यात्रा के दौरान उन्होंने न केवल पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की, बल्कि उन्हें रूस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से भी सम्मानित किया गया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह हुआ कि भारत और चीन ने सीमा रेखा पर गश्त फिर से शुरू करने पर सहमति जताई। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर *सैन्य वापसी की ओर अग्रसर* होने के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में एक बड़ी सफलता मिली है। सोमवार को समझौते की घोषणा करते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की संभावित मुलाकात पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हम अभी भी समय और मुलाकातों के बारे में काम कर रहे हैं। *न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना* विषय पर आधारित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन नेताओं को प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

## देश के कई सीआरपीएफ ...

हुए बम विस्फोट के एक दिन बाद मिली है। इस बम विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ था, लेकिन आसपास की दुकानों और वाहनों को शीशे टूट गए थे। पुलिस इन बम धमकियों की जांच में जुटी है और हाई अलर्ट पर है। दिल्ली के सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए बम विस्फोट में दिल्ली पुलिस खालिस्तान कोण से जांच कर रही है। दरअसल सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया गया है कि सीआरपीएफ स्कूल के पास हुआ बम धमाका भारतीय एजेंट्स द्वारा खालिस्तान समर्थकों को निशाना बनाने के जवाब में किया गया है। सीसीटीवी कैमरों की जांच में पुलिस को एक संदिग्ध भी दिखा है, जिसकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

## वक्फ बिल पर ...

स्थगित करनी पड़ी। लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। पाल ने कहा कि कल्याण बेनर्जी अपना गुनाह छुपाने के लिए उन्हीं पर आरोप लगा रहे हैं। जबकि वे सभी को अपनी बात रखने का अवसर देते हैं। अगर कोई सांसद उनकी शिकायत करे कि वे उन्हें बोलने का अवसर नहीं देते तो वे कमेटी से इस्तीफा देने को तैयार हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 पर गठित जेपीसी की बैठक में मंगलवार को हंगामा हो गया। इस दौरान तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने आक्रोशित होकर पानी की बोतल को मेज पर पटक दिया। इस घटना में वे स्वयं चोटिल हो गए। बैठक में आज सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और वकीलों का पक्ष सुना जाना था। विपक्ष ने सवाल उठाया कि उनका वक्फ बिल से क्या लेना-देना है। इसी दौरान सांसद कल्याण बनर्जी और भाजपा सांसद एवं कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व जज अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच विवाद हो गया। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने इसमें हस्तक्षेप करने की कोशिश की। इस दौरान कल्याण बनर्जी ने अध्यक्ष की ओर पानी की बोतल उछाला और टेबल पर पटक दिया। इसी दौरान बोतल टूटने से कल्याण बनर्जी के हाथ पर चोट आई। इसके बाद उन्हें बैठक से बाहर ले जाया गया और मरहम-पट्टी की गई। उन्हें बैठक में दोबारा ले जाते हुए वीडियो सामने आए हैं। इसमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह और असदुद्दीन औवेसी को देखा जा सकता है।

## अमरेली में पांच ...

मगर उसकी जान पहले ही जा चुकी थी। पीड़ित खेतिहर मजदूर का बेटा था। शेरनी को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है, गुजरात एशियाई शेरों का एकमात्र रहने का स्थान है। अगर वन विभाग द्वारा की गई पिछली जनगणना की माने तो यहां इनकी आबादी में 1990 में 284 से 2020 में 674 तक की वृद्धि देखी गई है। वन विभाग ने कहा है कि बाघों में से लगभग आधे संरक्षित क्षेत्रों के बाहर फैले हुए हैं (नौ जिलों और 13 वन प्रशासनिक प्रभागों में) उनका वितरण क्षेत्र 2015 में 22,000 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2020 में 30,000 वर्ग किलोमीटर हो गया है।

## एक लाख नई व ...

के सशक्तिकरण के लिए एक अनूठे विचार के साथ काम किया। उन्होंने जीवनपर्यंत स्वयं को अलग रखकर मूल सहकारिता की भावना के साथ देश के हर किसान को जोड़ने का यत्न, प्रयत्न और सफलता प्राप्त की। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री 1964 में अमूल डेयरी को देखने गए और उन्होंने तय कर लिया कि सिर्फ गुजरात ही नहीं बल्कि पूरे देश के पशुपालकों को इस सफल प्रयोग का फायदा मिलना चाहिए। इसके बाद शास्त्री जी ने एनडीडीबी बनाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि 60 साल में एनडीडीबी ने सहकारिता, देशभर के किसानों और माताओं-बहनों को न सिर्फ सशक्त और संगठित किया बल्कि उन्हें अपने अधिकार के लिए जागृत करने का काम भी किया। उन्होंने कहा कि 100 रुपए की शेयर पूंजी से अमूल आज 60 हजार करोड़ का सालाना व्यापार कर रहा है। तरल दूध की बिक्री 427 लाख लीटर प्रति दिन, खरीद 589 लाख लीटर प्रति दिन और राजस्व 344 करोड़ रुपए से बढ़कर 426 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है और शुद्ध लाभ 50 करोड़ रुपए है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि एनडीडीबी ने सब्जियों की प्रोसेसिंग शुरू की है, जिससे हमारे किसानों द्वारा उत्पादित सब्जियां पूरी दुनिया में जाएंगी और इनका मुनाफा कोऑपरेटिव मॉडल के तहत नीचे तक पहुंचेगा। शाह ने कहा कि मोदी सरकार 2 लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ (पैक्स)बनाने जा रही है, जो हमारे सहकारिता के ढांचे को बहुत मजबूती देंगी। उन्होंने कहा कि इस कदम से सहकारिता और सहकारिता क्षेत्र की सभी इकाइयां मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि भारत ने 231 मिलियन टन दुग्ध उत्पादन के साथ अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है और हम विश्व में पहले स्थान पर है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि सहकारिता को सशक्त करने के अभियान के परिणामस्वरूप 1970 में देश में दूध की उपलब्धता 40 किलोग्राम प्रति व्यक्ति थी, 2011 में 103 किलोग्राम और 2023 में बढ़कर 167 किलोग्राम प्रति व्यक्ति हो गई है। उन्होंने कहा कि विश्व की दूध की औसत प्रति व्यक्ति उपलब्धता 117 किलोग्राम है।

## ईरान को नक्शे से ...

जैसे विशेष गुण नहीं हैं, फिर भी इसकी मारक क्षमता इसे बहुत ताकतवर बनाती है। इजराईल ने यह फैसला लिया था कि जेरिको-2 मिसाइल का उपयोग ईरान के खिलाफ एक निर्णायक हमले के लिए किया जाएगा, लेकिन संभावित परिणामों को देखते हुए इस हमले को टाल दिया गया। कुछ ही वर्षों में इजराईल अपनी जेरिको-2 मिसाइल का इस्तेमाल बंद कर देगा, जिसके कारण यह हमला योजनाबद्ध तरीके से महत्वपूर्ण हो सकता था। इजराईल पहले ही ईरान समर्थित समूह हिजबुल्लाह पर विभिन्न हमले कर चुका है, जिससे ईरान की प्रतिक्रिया आक्रामक हो गई है। हाल ही में, हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद, ईरान ने इजराइल पर 200 मिसाइल दागे। इस घटना ने इजराइल को और अधिक आक्रामक बनने के लिए प्रेरित किया है, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है।

## एटीएस ने 21...

फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं। एटीएस सूत्रों के अनुसार एटीएस की टीम को रंजनगांव एमआईडीसी इलाके में किराए के कमरे में कई बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर एटीएस की टीम इन सभी पर निगरानी रखे हुए थी। पुख्ता सबूत मिलने के बाद आज एटीएस की टीम ने इन सभी को हिरासत में लिया और गहन पूछताछ की। इसके बाद इन लोगों के आधार कार्ड, वोटिंग कार्ड और पैन कार्ड की जांच की गई, जो फर्जी पाए गए। इसके बाद एटीएस ने इन सभी को गिरफ्तार कर लिया है। एटीएस की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

## केंद्र ने तस्लीमा...

शाह से भारत में अपने निवास परमिट के विस्तार का अनुरोध किया था। तस्लीमा नसरीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मंगलवार को एक्स पर पोस्ट साझा किया है जिसमें उन्होंने हाथ जोड़े इमोजी का प्रयोग किया है। इससे पहले उन्होंने सोमवार को भी एक पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी चिंता प्रकट की और भारत को अपना *दूसरा घर* बताया था। तस्लीमा नसरीन ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि प्रिय अमित शाह जी नमस्कार। मैं भारत में रहती हूं क्योंकि मुझे इस महान देश से प्यार है। यह पिछले 20 वर्षों से मेरा दूसरा घर रहा है। लेकिन गृह मंत्रालय 22 जुलाई से मेरे निवास परमिट को आगे नहीं बढ़ा रहा है। उन्होंने लिखा कि मैं बहुत चिंतित हूं। अगर आप मुझे रहने देंगे तो मैं आपकी बहुत आभारी रहूंगी। हार्दिक शुभकामनाएं।

# आधुनिक युग तकनीकी में महारत हासिल करके ज्ञान प्राप्त करने का युग है : शिक्षा मंत्री रोनोज पेगु

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए नवभारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास के तीसरे क्षेत्रीय सम्मेलन का मंगलवार को दिसपुर स्थित असम प्रशासनिक अधिकारी कॉलेज में शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगु ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम के तहत 2022 से 2027 के बीच देशभर में शिक्षा से वंचित 15 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को साक्षर कर उन्हें कुशल मानव संसाधन के रूप में विकसित करना है। शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगु ने मुख्य अतिथि के रूप में एनसीईआरटी के राष्ट्रीय साक्षरता केन्द्र की पहल पर और राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित उल्लास के दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि आधुनिक युग पढ़ने-लिखने और तकनीकी में महारत हासिल करके ज्ञान प्राप्त करने का युग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया *पढ़े भारत बढ़े भारत* कार्यक्रम एक बहुत ही उल्लेखनीय कदम है। इसलिए, इसी तरह हमें उल्लास को केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि, प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी के रूप में समझना चाहिए और ज्ञान को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक फैलाने में हम सभी को शामिल होना चाहिए। मंत्री डॉ. पेगु ने सभी से

उल्लास को एक जन आंदोलन में बदलने का आग्रह किया। मंत्री ने राज्य के छात्रों को उल्लास के इस कार्यक्रम में सहज रूप से भाग लेने और राज्य के हर नुक्कड़ और कोने में ज्ञान और शिक्षा के प्रसार के लिए खुद को समर्पित करने के लिए कहा। मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को राज्य के सभी लोगों को ज्ञान के प्रकाश से उत्साहित कर साक्षरता दर बढ़ाने के लिए जल्द से जल्द एक दिशा-निर्देश तैयार करने की भी सलाह दी। उल्लेखनीय है कि आज के कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और झाड़खंड के स्वयंसेवकों और इससे लाभान्वित होने वाले लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव अर्चना शर्मा अवस्थी, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एनईआरआईई) की अध्यक्ष डॉ. फ्लोरेट डी. दखार, राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र, एनसीईआरटी की प्रभारी प्रोफेसर उषा शर्मा, असम सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव श्रीनारायण कोंवर और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## असम उपचुनाव : भाजपा ने अपने तीनों उम्मीदवारों को टिकट प्रदान किया

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम विधानसभा की पांच सीटों के लिए 13 नवंबर को होने जा रहे उपचुनाव के मद्देनजर राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने पार्टी की ओर से नामित तीनों उम्मीदवारों को पार्टी का टिकट प्रदान किया। सामागुड़ी निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार दिप्लू रंजन शर्मा की ओर से उनके प्रतिनिधि परश प्रतिम मजूमदार, बिहाली निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार दिगंत घटोवार की ओर से उनके प्रतिनिधि असीम कुमार दास और धलाई निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार निहार रंजन दास की ओर से उनके प्रतिनिधि कर्नाड पुरकायस्थ ने आज पार्टी मुख्यालय में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता से टिकट प्राप्त किए।

## कोकराझाड़ में एडीआरई के सुचारू संचालन के लिए निषेधाज्ञा जारी

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** कोकराझाड़ में आगामी 27 अक्तूबर को होने वाली असम डायरेक्ट रिक्रूटमेंट परीक्षा (एडीआरई) को ध्यान में रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट मासांडा पार्टिन ने परीक्षा के दौरान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निषेधाज्ञा जारी की है। परीक्षा में 90 हजार से अधिक उम्मीदवारों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे लोगों की भारी भीड़ यातायात और सार्वजनिक व्यवस्था में संभावित बाधाएं उत्पन्न कर सकती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, जिला मजिस्ट्रेट ने कोकराझाड़ जिले में परीक्षा के दिन सभी दैनिक बाजारों और साप्ताहिक हाट बाजारों को बंद करने का आदेश देते हुए धारा 163 बीएनएसएस के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। यह एकतरफा आदेश सार्वजनिक शांति बनाए रखने और परीक्षा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के हित में जारी किए गए हैं। जो भी व्यक्ति इन निर्देशों से आहत हो, वह किसी भी समय जिला मजिस्ट्रेट से संपर्क करके इन्हें निरस्त, संशोधित, परिवर्तन या छूट के लिए आवेदन कर सकता है। यह सक्रिय कदम प्रशासन की इस परीक्षा प्रक्रिया के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने अमित शाह को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

**गुवाहाटी ( हिंस )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि यशस्वी और प्रखर नेता और हमारे सभी कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्त्रोत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्र निर्माण और संगठन को मजबूत करने में उनका योगदान अद्वितीय है। आज उनके नेतृत्व में भारत वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ पाया है और इसके माध्यम से देश की सुरक्षा को एक नया आयाम मिला है। देश में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान भी तेज हो गया है। उनकी दूरगामी सोच से देश भर में नई ऊर्जा का संचार कर केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने में हुई प्रगति भी सराहनीय है। मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव गुरुजन की धरती असम के लोगों की ओर से इस विशेष दिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं देता हूं और उनके लंबे जीवन और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करता हूं।

## पांडु में चतुर्थ राष्ट्रीय सनातन अधिवेशन 26 को

गुवाहाटी। काशी की पुरातन संस्था ब्रह्मराष्ट्र एकम द्वारा इस वर्ष चतुर्थ राष्ट्रीय सनातन अधिवेशन दिनांक 26 अक्टूबर 2024 दिन शनिवार को, मां कामाख्या धाम शक्तिपीठ में कर्मश्री हितेश्वर सैकिया सभागार, पांडव नगर, मालीगांव, पांडु में आयोजित हो रहा है। जिसके मुख्य अतिथि राज्य के राज्यपाल महामहिम, माननीय श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य होंगे। वहीं कई उच्चाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस आशय की जानकारी आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी गई है।

## सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

**दरंग ( हिंस )।** दरंग जिले के सिपाझाड़ इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सिपाझाड़ शहर इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर कंटेनर वाहन (एनएल-01एन-0797) द्वारा ठोकर मार जाने से स्कूटी ( एएस-13एफ-0383) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत महिला की पहचान पनियापाड़ा की रुनू बनिया के रूप में की गई है। दो बच्चे की मां की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने कहा कि दिन के समय में बड़े वाहनों को प्रवेश जिला प्रशासन द्वारा इजाजत दिए जाने की वजह से यह हादसा हुआ है।

## गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम द्वारा मंगलवार सुबह की गई छापेमारी के दौरान मादक पदार्थ के साथ ही कुल तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार एसटीएफ की टीम द्वारा आज सुबह दिसपुर थाना क्षेत्राधिकार के अंतर्गत लास्ट गेट पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मादक पदार्थ के साथ शातिर ड्रग्स तस्कर को होंडा डीआईओ स्कूटी के साथ गिरफ्तार किया गया। तस्कर के पास से एक साबुनदानी बरामद की गई, जिसमें 15 ग्राम हेरोइन, 2 हजार 200 रुपए बरामद किए गए। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान रतन कुमार सिंह (30), वशिष्ठ, गुवाहाटी के रूप में की गई है। गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान वशिष्ठ थाना क्षेत्र स्थित मकान नं. 4 ए चिलाराय पथ निवासी चंदन दास के किराए के मकान से दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों की पहचान समसाद आलम उर्फ राजू (30) और प्रदीप चौधरी (27) के रूप में की गई है। इनके पास से एक प्लास्टिक की साबुनदानी, जिसमें 7.5 ग्राम

हेरोइन, 17 शीशियों में हेरोइन (22.5 ग्राम), नकद 17 हजार 510 रुपए और 74 खाली शीशियां बरामद की गई हैं। दोनों छापों में कुल तीन लोगों को गिरफ्तार कर 45 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन, नकद 19 हजार 710 रुपए, एक दुपहिया वाहन और 74 खाली शीशियां बरामद की गई हैं।

## बीटीआर पीएस ने बीटीआर में जीवन बदलने के लिए डीडब्ल्यूआईएमयू परियोजना पर ध्यान केंद्रित किया

**कोकराझाड़।** बीटीआर के प्रधान सचिव आकाश दीप ने डीडब्ल्यूआईएमयू परियोजना की घरेलू भागीदारी योजना प्रक्रिया की जानकारी हासिल करने के लिए कल एक फील्ड विजिट किया। डीडब्ल्यूआईएमयू-लोगों के जीवन के उत्थान के लिए एकीकृत प्रबंधन के साथ विविधीकरण-का उद्देश्य बेहतर शासन, टिकाऊ कृषि आधारित आजीविका और सामुदायिक संस्थानों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण को बढ़ावा देकर बीटीआर समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को बदलना है। यात्रा के दौरान, आकाश दीप ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश जारी किए, उनसे परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी लाने और इसके कवरेज को बढ़ाने का आग्रह किया। डीडब्ल्यूआईएमयू परियोजना 2024-25 के वाइब्रेंट बीटीआर बजट में उल्लिखित *100 दिन की कार्य योजना* का एक प्रमुख घटक है, जो क्षेत्र के विकास के लिए इसकी प्राथमिकता की स्थिति पर जोर देती है। आकाश दीप ने अपने संबोधन में कहा कि यह पहल बीटीआर में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सामुदायिक विकास में स्थायी प्रथाएं और प्रभावी शासन सबसे आगे हों।

## कोकराझाड़ में प्रमुख सहकारी पहलों की समीक्षा संयुक्त कार्य समिति का उद्घाटन किया गया

**कोकराझाड़।** जिला सहकारी विकास समिति (डीसीडीसी) की समीक्षा बैठक, संयुक्त कार्य समिति (जेडब्ल्यूसी) की उद्घाटन बैठक के साथ, आज जिला आयुक्त, कोकराझाड़ के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एडीसी नित्या बिनोद वारी ने की, जिन्होंने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया और जिले में विभिन्न सहकारी विकास पहलों पर चर्चा की। बैठक के दौरान, सहकारी समितियों के अतिरिक्त रजिस्ट्रार सह मुख्य विभागाध्यक्ष (सीएचडी) और डीसीडीसी के संयोजक जयंत खेरकटारी ने कोकराझाड़ जिले में विभाग की पहलों की प्रगति पर एक व्यापक अद्यतन प्रदान किया। चर्चा में शामिल प्रमुख विकासों में प्राथमिक

कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) का कंप्यूटरीकरण, राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस में डेटा प्रविष्टि, सामान्य सेवा केंद्रों की स्थापना, जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन, विश्व के सबसे बड़े अनाज भंडारण संयंत्र का विकास, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का संगठन, पीएसीएस को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र के रूप में नामित करना और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों (पीएमएफएमई) योजना का कार्यान्वयन शामिल है। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने जिले में सहकारी समितियों के विकास और सफलता को सुनिश्चित करने के लिए समय पर सेवा वितरण, अंतर-विभागीय सहयोग और निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों से इन पहलों के प्रभाव को अधिकतम करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। उपस्थित लोगों में सहकारिता विभाग के अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी (डीएओ), डीआईसीसी कोकराझाड़ के कार्यकारी अधिकारी, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, अपेक्स बैंक के प्रबंधक और जिले की विभिन्न सहकारी समितियों के अध्यक्ष और सचिव शामिल थे।

## चक्रवात *दाना* के कारण कई ट्रेनों को किया गया रद्द

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्व तट रेलवे (ईसीओआर) के क्षेत्राधिकार के अधीन ओडिशा में आने वाले चक्रवात *दाना* के संभावित प्रभावों के कारण एहतियाती उपायों को अपनाते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) ने 23 और 24 अक्तूबर को कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि रद्द की गई ट्रेनों में 23 अक्तूबर को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12552 (कामाख्या- एसएमवीटी बेंगलुरू) एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 23 अक्तूबर को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12514 (सिलचर- सिकंदराबाद) सुपरफास्ट एक्सप्रेस। 23 अक्तूबर को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22504/22503 (डिब्रूगढ़- कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस। 23 अक्तूबर को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12509 (एसएमवीटी बेंगलुरू-गुवाहाटी) सुपरफास्ट एक्सप्रेस।

## डॉ. स्वर्गियारी ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता पर दिया जोर

**कोकराझाड़।** बीटीआर सीईएम प्रमोद बोरो के नेतृत्व मे हम बीटीआर के शैक्षिक और स्वच्छता बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। बीटीसी के कार्यकारी सदस्य डॉ. निलुट स्वर्गियारी ने आज कहा कि उनकी टिप्पणी दलकाटी बोरोबाजार वीसीडीसी के हिस्से, धूपगुड़ी बोरीगांव बाथौ मंदिर में एक नए सामुदायिक शौचालय के उद्घाटन के दौरान आई। डॉ. स्वर्गियारी ने कचैरिसन वीसीडीसी के तहत वेस्ट बोरसोला बोड़ो एमई स्कूल में एक मॉडल स्कूल के निर्माण की आधारशिला भी रखी। ये पहल स्थानीय समुदाय के लिए रहने की स्थिति और शैक्षिक अवसरों को बेहतर बनाने के लिए चल रहे प्रयासों को उजागर करती हैं। सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन और मॉडल स्कूल की आधारशिला रखना क्षेत्र के निवासियों की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## तेममं ने आत्मा का विमोचन कार्यशाला का आयोजन किया

**गुवाहाटी ( विभास )।** अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तथा तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वावधान में तेरापंथ धर्मस्थल में खुशियों की दीपावली के अंतर्गत आत्मा का विमोचन कार्यशाला आयोजन किया गया। मुनिश्री प्रशांत कुमार जी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण तथा मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत के संगान के साथ कार्यशाला का आरंभ हुआ। अध्यक्षा अमराव देवी बोथरा ने सभी बहनों का स्वागत करते हुए स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया व कार्यशाला पर प्रकाश डाला। मुनि श्री प्रशांत कुमार जी ने कहा कि आत्मा शुद्ध स्वरूप है उस पर हमने ही कर्म रूपी आवरण से ढक दिया है हम स्वंय ही पुरुषार्थ के द्वारा इस आवरण को हटा सकते हैं। मुनि श्री कुमुद कुमार जी ने कहा कि सहजता ध्यान तप से आत्मा का विमोचन संभव है पर्याप्त प्रयत्न करने से ही कर्मों से आत्मा को मुक्त किया जा सकता है। सभी के साथ मैत्री का भाव रखते हुए सभी जीवो का अभयदान देता हूं ऐसी भावना हम सभी में जागृत होनी चाहिए। दूसरे चरण में रंगोली तथा पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। रंगोली प्रतयोगिता में 6 प्रतियोगियों ने भाग लिया जिसका विषय था अनासक्त

भावना तथा स्वच्छता। निर्णायक के रूप में कल्पना श्रीमाल ने अपनी भूमिका निभाई। इसमें प्रथम स्थान पर मनीषा सेठिया द्वितीय स्थान पर निशा दुग्गड़ व सिंपल गोलछा तृतीय स्थान पर सरिता संचेती कार्यक्रम की संयोजिका सरोज बरड़िया व मीना बैद का सराहनीय योगदान रहा। विगत माह में आयोजित कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत पोस्टर तथा स्लोगन प्रतियोगिता, की निर्णायक थी दीपिका खत्री। इसमें स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर पर प्रथम मीना बैद, स्थानीय स्तर पर द्वितीय निशा दूगड़, तृतीय माला सुराणा रही। सभी विजेताओं व प्रतिभागियों को मंडल के द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री ममता दुग्गड़ ने किया इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती विनीता सुराणा ने दी।

## मारवाड़ी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष बने शरत जैन

### पुराने एवं नए सत्र की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

**गुवाहाटी ( विभास )।** समाज की प्रतिष्ठित संस्था श्री मारवाड़ी दातब्य औषधालय के अंतर्गत मारवाड़ी हॉस्पिटल्स की पुरानी एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी समिति की संयुक्त बैठक मंगलवार को अस्पताल के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अस्पताल के अध्यक्ष रमेश गोयनका ने करते हुए पुरानी एवं नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत किया। श्री गोयनका ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग हेतु सभी सदस्यों के अलावा अस्पताल के सभी डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने आशा जताई कि नई कार्यकारिणी आने वाले वर्षों में मारवाड़ी हॉस्पिटलस को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम होगी। तत्पश्चात महासचिव राम स्वरूप जोशी ने आगामी सत्र 2024-27 के लिए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यो का परिचय करवाया। नई कार्यकारिणी समिति ने हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में गणमान्य श्रेणी में नामांकन नहीं आने के चलते गणमान्य श्रेणी के रिक्त तीनों स्थानों की पूर्ति के लिए उसी श्रेणी से तीन लोगों को कार्यकारिणी में मनोनीत किया। इनमें

कृष्ण कुमार जालान, किशोर साबू व उत्तम चंद नाहटा शामिल है। वही अस्पताल के नियमावली अनुसार पांच अन्य लोगों को मनोनीत किया गया। इनमें संजय केडिया, गिरिराज ककरानिया, मनीष अग्रवाल, बेला नाउका व संगीता अग्रवाल शामिल है। वही भूमिदाता परिवार से नारायण खाखोलिया को मनोनीत किया गया। तत्पश्चात नई कार्यकारिणी ने आगामी सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में शरत कुमार जैन को सर्वसम्मति से चुना, जिसका सभी ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। इसके पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष शरत जैन ने अपने नए सत्र की कार्यकारिणी के सदस्यों के नामों की घोषणा की। इनमें उपाध्यक्ष कैलाश चंद लोहिया व राकेश अग्रवाल, महासचिव किशोर साबू, संयुक्त सचिव मनीष खाटूवाला व बेला नाउका तथा कोषाध्यक्ष के रूप में मनोज कुमार अग्रवाल शामिल है। साथ ही अध्यक्ष कोटे से मनोनीत होने वाले दो सदस्यों में से एक रश्मि खाटूवाला के नाम की घोषणा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने संबोधन में निवर्तमान अध्यक्ष रमेश गोयनका सहित सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक बार पुन: उन्हें अध्यक्ष के रूप में चुनकर अस्पताल की सेवा करने का मौका दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस नई कार्यकारिणी समिति में महिला सशक्तिकरण व युवा शक्ति को बढ़ावा दिया गया है। उन्होंने आस्वस्त किया कि सभी समाज बंधुओ के सहयोग से वह अपनी टीम के साथ मारवाड़ी हॉस्पिटलस को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम होंगे। साथ ही उन्होंने अस्पताल मैं आने वाले वर्षों में विभिन्न तरह की चिकित्सा सेवाओं में विस्तार करने पर भी बल दिया। इस दौरान नवनियुक्त उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की संस्थाओं को ऊंचाइयों पर ले जाना है तो हमें एकजुट होकर कार्य करना पड़ेगा, और यह तभी संभव हो सकता है, जब समाज के सभी प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्ति बिखराव की वजह एकजुट होकर समाज हित में कार्य करें। इस दौरान नवनिर्वाचित सचिव किशोर साबू ने भी अपने संबोधन में सभी से सहयोग की कामना की। निवर्तमान सचिव राम स्वरूप जोशी ने अपने संबोधन में अस्पताल में पिछले कुछ वर्षों में आए बदलाव के लिए मारवाड़ी हॉस्पिटल की पूरी टीम को साधुवाद दिया।

संपादकीय

# किसने दहलाई दिल्ली?

**दिल्ली** के सीआरपीएफ स्कूल के बाहर ऐसा विस्फोटक धमाका हुआ कि राजधानी दहल उठी और पूरी दिल्ली में 'अलर्ट' घोषित करना पड़ा। रोहिणी के प्रशांत विहार में यह धमाका हुआ। यह इलाका आउटर रिंग रोड से मात्र 800 मीटर दूर स्थित है और प्रमुख बाजारों में इसकी गिनती होती है। गनीमत है कि सुबह 7 बजे के करीब का वक्त था और रविवार छुट्टी का दिन था। हालांकि लोग 'करवा चौथ' पर्व मनाने को अपने-अपने घरों में मौजूद थे। सडक़ पर लगभग सन्नाटा था, क्योंकि आवाजाही नगण्य थी, लेकिन विस्फोटक धमाका इतना प्रचंड था कि स्कूल की वह दीवार ढह गई और वहां गहरा गड्ढा हो गया। करीब 15 बंद दुकानों की इमारतें, बोर्ड और शीशे क्षतिग्रस्त हुए। करीब 3 किलोमीटर तक धमाके की गूंज सुनाई दी। जो लोग आसपास के पार्क में टहल रहे थे, वे धमाके की आवाज सुनकर एकबारगी तो सुन्न हो गए। गनीमत है कि कोई हताहत या घायल नहीं हुआ, फिर भी इसे सामान्य घटना नहीं मान सकते। एक दिन पहले शनिवार को घटनास्थल के पास ही महिलाओं की भीड़ 'करवा चौथ' की मेहंदी रचा रही थीं। घटनास्थल पर लोग अपनी कारें खड़ी कर सामने पूड़ी-सब्जी की दुकान पर यह व्यंजन खाते थे। स्कूल आने वाले अभिभावक और अन्य लोग घटनास्थल की दीवार से सटा कर ही अपने वाहन लगाते थे। दीवार की तरफ ही स्कूल के भीतर प्रार्थना हुआ करती थी। यदि धमाके का दिन और वक्त कुछ और ही होता, तो भारी तबाही लगभग तय थी। यह महज दहशत पैदा करने अथवा कोई संदेश देने या शरारतपूर्ण घटना नहीं हो सकती। यह आतंकी हमला भी हो सकता है। जांच एजेंसियां इसी कोण से जांच कर रही हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल ने बहुएजेंसियों की जांच के आदेश दिए हैं। बम निरोधक दस्ते और विशेषज्ञ श्वान दस्ते ने भी जांच में अपनी भूमिका निभाई है। वैसे एनएसजी, एनआईए, दिल्ली पुलिस की स्पेशल शाखा, फोरेंसिक लैब, गुप्तचर ब्यूरो आदि ने शुरुआती जांच के लिए घटनास्थल से नमूने लिए हैं। सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई हैं। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। यह विस्फोटक धमाका 7 सितंबर, 2011 के आतंकी हमले के बाद हुआ है, लिहाजा आश्चर्यजनक और खौफजदा भी है। यदि आतंकी हमले पर 'शक की सुई' टिकती है, तो आतंकी गुट कौनसा हो सकता है? अथवा इस साजिशाना हमले का मकसद क्या हो सकता है? दिल्ली में बीते 20 सालों के दौरान एक दर्जन विस्फोटक धमाके हुए हैं। उनमें से सिर्फ तीन ही ऐसे हमले थे, जिनमें जान-माल का नुकसान खूब हुआ। 2011 का आतंकी हमला दिल्ली उच्च न्यायालय के गेट नंबर 5 पर सुबह 10.15 बजे के करीब हुआ था। उस विस्फोट में 17 लोगों की मौत हुई और 76 लोग घायल हुए। उसके बाद दिल्ली में कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई। अब यह दीपावली का त्योहारी मौसम है। इस विस्फोटक धमाके ने दिल्ली की चिंताएं बढ़ा दी हैं। बाजारों में खरीददारी के लिए भीड़ उमड़ रही है, लिहाजा भीड़ की सुरक्षा सबसे अहम चुनौती है। सदर बाजार का ही उदाहरण लें, तो वहां 3-4 लाख लोग हर रोज खरीददारी करने आते हैं। दिल्ली के बाजारों पर आतंकी हमले किए जा चुके हैं। बहरहाल घटनास्थल से सफेद पाउडर जैसा रसायन मिला है। कुछ तारें भी बरामद की गई हैं। अभी तक की जांच में जो सामने आया है, वह घर पर बनाए बम की ओर संकेत कर रहा है, जिसकी तीव्रता कम थी और वह समय से पहले फट गया। हम किसी भी निष्कर्ष पर नहीं जाएंगे, क्योंकि बम वाले निष्कर्ष पर सभी एजेंसियां सहमत नहीं हैं। सवाल यह भी है कि क्या हमारे सुरक्षा बल आतंकियों के निशाने पर हैं? क्या इसीलिए सीआरपी के स्कूल को निशाना बनाया गया? बताया गया है कि सोमवार 21 अक्तूबर को इसी स्कूल में पीटीएम का आयोजन होना था, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों के आने की संभावना थी। यदि यह धमाका आतंकी हमला साबित होता है, तो एक बार फिर राजधानी आतंकवाद के निशाने पर आती लगती है।

राजधानी दहल उठी और पूरी दिल्ली में 'अलर्ट' घोषित करना पड़ा। रोहिणी के प्रशांत विहार में यह धमाका हुआ। यह इलाका आउटर रिंग रोड से मात्र 800 मीटर दूर स्थित है और प्रमुख बाजारों में इसकी गिनती होती है। गनीमत है कि सुबह 7 बजे के करीब का वक्त था और रविवार छुट्टी का दिन था। हालांकि लोग 'करवा चौथ' पर्व मनाने को अपने-अपने घरों में मौजूद थे। सडक़ पर लगभग सन्नाटा था, क्योंकि आवाजाही नगण्य थी, लेकिन विस्फोटक धमाका इतना प्रचंड था कि स्कूल की वह दीवार ढह गई और वहां गहरा गड्ढा हो गया। करीब 15 बंद दुकानों की इमारतें, बोर्ड और शीशे क्षतिग्रस्त हुए। करीब 3 किलोमीटर तक धमाके की गूंज सुनाई दी।

### उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनते ही हिंदुओं में पैठ बढ़ाने का संदेश दे दिया

# जम्मू-कश्मीर में एनसी का बदलता सुर

प्रमोद भार्गव

**जम्मू** कश्मीर में बदलाव की धारा 2019 में धारा-370 और 35-ए के विलोपित होने के बाद ही दिखने लगी थी। इसी का परिणाम रहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में यहां मतदान की प्रतिशत लगभग 65 रहा और नेकां और कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया। हालांकि नेकां राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर आई, किंतु कांग्रेस महज छह सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। कांग्रेस का जनाधार जम्मू क्षेत्र में दिखाई दे रहा था, लेकिन वहां भी उसका सफाया हो गया। परिणाम के बाद उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर छींटाकशी करते हुए यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की वजह से नेकां को कम सीटें मिलीं। गठबंधन को कुल 48 सीटों पर जीत मिली थी, जिनमें से 42 नेकां ने जीती हैं। कांग्रेस द्वारा कम सीटें जीतने के कारण मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शपथ लेने के बाद कांग्रेस के एक भी विधायक को मंत्री नहीं बनाया। कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका है। अतएव यह शंका भी उठने लगी है कि भविष्य में गठबंधन टूट भी सकता है। उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनते ही हिंदुओं में पैठ बढ़ाने का संदेश दे दिया है। नौशेरा से भाजपा के प्रांतीय अध्यक्ष रविंद्र रैना को हराने वाले नेकां के ही सुरेंद्र चौधरी को उपमुख्यमंत्री बना दिया। शपथ ग्रहण समारोह में इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता मौजूद थे। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े भी उपस्थित थे। परंतु अपनी जानी पहचानी ठसक के विपरीत पूरे समय राहुल असहज दिखाई दे रहे थे। दरअसल उमर ने कांग्रेस को एक मंत्री पद देने को कहा था, लेकिन कांग्रेस दो विधायकों को मंत्री बनाना चाहती थी। उमर ने इस आग्रह को नहीं माना। नतीजतन राहुल के चेहरे पर बेबसी थी। कांग्रेस अब उमर सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है, हालांकि उमर सरकार को स्पष्ट बहुमत मिल जाने के कारण कांग्रेस के समर्थन की कोई जरूरत नहीं है। इसीलिए उमर कांग्रेस का कोई दबाव झेलने को तैयार नहीं हुए। वस्तुतः कांग्रेस ने गठबंधन की मर्यादा का पालन करने और महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन बना रहे, इसलिए बाहर से समर्थन देकर अपनी लाज बचाने की कोशिश की है। फिलहाल जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त नहीं है। अतएव मुख्यमंत्री के पास दिल्ली की तरह उपराज्यपाल

से कम अधिकार हैं। इसलिए ऐसा भी अंदाज लगाया जा रहा है कि उमर ने कांग्रेस से दूरी दिखाने का यह खेल खेला है। यह शतरंज की चाल उनकी कूटनीति का हिस्सा है। हालांकि 19 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है जिसमें केंद्र सरकार से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का अनुरोध किया गया है। इस प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से मंजूर किया है। वैसे भी यदि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा जल्दी मिल जाता है तो सुधार प्रक्रिया में गति आने की उम्मीद की जा सकती है। इससे संवैधानिक अधिकार जो अभी उपराज्यपाल के पास हैं, उनमें से ज्यादातर मंत्रिमंडल को मिल जाएंगे। इससे जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट पहचान और लोगों के संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की गारंटी नवनिर्वाचित सरकार को मिल जाएंगे। संभव है, इस हेतु उमर अब्दुल्ला जल्दी ही प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों से दिल्ली जाकर बात करें। उमर के सुर बदलने का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि जम्मू-कश्मीर मंत्रिमंडल ने 4 नवंबर को श्रीनगर में विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करने का निर्णय लिया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से इस सत्र को अनुरोध करने का आग्रह भी किया गया है। उमर ने कहा है कि 'प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र का एक समान चहुंमुखी विकास किया जाएगा। हम किसी के साथ भी क्षेत्र, भाषा और राजनीतिक विचारधारा के आधार पर पक्षपात नहीं करेंगे।' कश्मीर में मुख्यमंत्री फारूक, मुफ्ती मुहम्मद, उमर और महबूबा मुफ्ती रहे हैं, किंतु सद्भाव और समरसता का ऐसा स्वर पहले कभी सुनाई दिया हो, याद नहीं आता। हालांकि नामुमकिन अनुच्छेद-370 की पुनर्बहाली की प्रतिबद्धता भी उन्होंने दोहराई। हालांकि अब अवाम को 370 की बहाली करने का सब्जबाग दिखाना असंवैधानिकता के साथ सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की अवमानना भी है। अनुच्छेद-370 हटने के बाद ही जम्मू-कश्मीर में 65 प्रतिशत मतदान संभव हुआ और दो निशान, दो विधान एवं दो प्रधान के प्रावधान खत्म हुए। इसलिए उमर अब्दुल्ला ने पहली बार मुखमंत्री की शपथ भारतीय संविधान के अनुसार ली है। सही मायनों में कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत को भारतीय संविधान के कानूनी धागे में अब पुरो दिया गया है। क्योंकि अब यहां आधार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नियंत्रक और महालेखक परीक्षक, मुस्लिम विवाह विच्छेद, शत्रु संपत्ति कानून, मुस्लिम महिला संरक्षण अधिनियम, भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, व्हिसल ब्लोअर समेत 108 केंद्रीय कानून अस्तित्व में आ गए हैं। साथ ही इस राज्य को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त होने के कारण जो 164 कानून यहां के लोगों को विशेष लाभ देते थे, वे रद्द हो गए है। इस राज्य के पुराने कानूनों में से 166 कानून ही अब जम्मू-कश्मीर और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लागू हैं। जो अधिकार देश की दूसरी ग्राम पंचायतों को प्राप्त थे, वे यहां भी लागू हो गए हैं। कश्मीर में अल्पसंख्यक हिंदू और सिखों को मिलने वाला आरक्षण लागू नहीं था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत ये संवैधानिक प्रावधान प्रभावशील हो गए हैं। कश्मीर में सबसे बड़ा परिवर्तन यह भी हुआ है कि यहां की आधिकारिक भाषा उर्दु की जगह हिंदी हो गई है। जम्मू-कश्मीर देश का एकमात्र ऐसा राज्य था जहां आधिकारिक भाषा उर्दु थी। इसीलिए उमर को कहना पड़ा है कि भाषा के आधार पर किसी के साथ पक्षपात नहीं होगा। पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त होने के बाद इस राज्य को संविधान की समवर्ती सूची से संबंधित मामलों में कानून बनाने का अधिकार मिल जाएगा। साथ ही राज्य को आईएएस, आईपीएस तथा आईएफएस अधिकारियों के तबादले का अधिकार भी मिल जाएगा। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन विधेयक-2019 के संसद से पारित हो जाने के बाद लद्दाख भारत का सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश बन गया है।

विधानसभा चुनाव में यहां मतदान की प्रतिशत लगभग 65 रहा और नेकां और कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया। हालांकि नेकां राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर आई, किंतु कांग्रेस महज छह सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। कांग्रेस का जनाधार जम्मू क्षेत्र में दिखाई दे रहा था, लेकिन वहां भी उसका सफाया हो गया। परिणाम के बाद उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पर छींटाकशी करते हुए यहां तक कह दिया कि कांग्रेस की वजह से नेकां को कम सीटें मिलीं।

दृष्टि कोण

# जीवंत प्रजातंत्र कैसा हो?

**प्रजातंत्र** अब तक मानव मस्तिष्क द्वारा खोजे गए शासन के तरीकों में से बेहतरीन तरीका साबित होता है। आखिर शासन की जरूरत क्यों पड़ी होगी? जब मनुष्य कबीलों में रहता था तो भोजन-आवास की बुनियादी सुविधाओं को जुटाने के लिए आपस में मिलजुल कर कार्य करने की जरूरत थी, जिसके लिए कुछ नियम चाहिए होंगे। क्योंकि मानव सहज वृत्तियों के चलते कोई टालमटोल करके मेहनत से बचने का प्रयास कर सकता है, कोई अपनी जरूरत से ज्यादा झपटने का प्रयास कर सकता है, इसलिए कबीले के भीतर मुखिया जैसी व्यवस्था खड़ी हुई। मुखिया की बात सब मानने के लिए प्रतिबद्ध थे। फिर दूसरे कबीले एक-दूसरे के संसाधनों पर कब्जा करने के लिए हमलावर हो सकते थे, उनसे सुरक्षा की जरूरत थी। तीसरी जरूरत प्रकृति की परिस्थितियों से बचाव की थी। आंधी, तूफान, ठंड, गर्मी, बाढ़ से बचाव अकेले संभव नहीं था। इसलिए धीरे-धीरे आपस में न्याय, दूसरों से सुरक्षा और प्रकृति से सुरक्षा के लिए ढांचागत निर्माण, वन उपज एकत्रण और शिकार के उपकरण आदि जरूरतों के लिए धीरे-धीरे कुछ नियमों द्वारा समाज के संचालन की शुरुआत हुई और इसी से शासन पद्धतियों का विकास हुआ। एक समय तक मनुष्य को यह समझ आ गया कि शक्ति हाथ में आ जाने के निजी लाभ भी हैं, इसलिए शासन को शक्ति द्वारा हथियाने के प्रयास शुरू हुए। छोटे-छोटे रजवाड़े और बाद में बड़े-बड़े साम्राज्य खड़े होते गए। जैसे-जैसे साम्राज्यों का विस्तार बड़ा होता गया, वैसे-वैसे शासन द्वारा आंतरिक और बाह्य स्तर पर लूट खसूट के अवसर भी बढ़ते गए। आधुनिकता के आगमन के साथ-साथ उद्योग और व्यापार में बढ़ोतरी हुई। अब समाज अपने जीवनयापन योग्य उत्पादों को पैदा करके आत्मनिर्भरता तक सीमित न रह कर, जरूरत से ज्यादा वस्तुओं का उत्पादन करके उनका व्यापार करके अतिरिक्त आय सृजन के अवसर तलाशने लगा, जिससे एशो-आराम के साधन जुटाने के साथ बड़ी-बड़ी सेनाएं भी रखने लगा। बड़ी सेनाओं के बूते दूसरे देशों पर कब्जा करके उनके साधनों को कब्जाने, अपनी धार्मिक मान्यताओं को जबरदस्ती दूसरे लोगों पर थोपने का क्रम आरंभ हुआ। इससे आंतरिक और बाह्य दोनों तरह का अन्याय बढ़ता ही गया। इसी कष्ट से मुक्ति के प्रयास के फलस्वरूप प्रजातंत्र के विचार का उदय हुआ। जिसके पीछे मूल भावना यह थी कि कोई एक राजा नहीं होगा, जो जब चाहे तब तक मनमाने फैसले करके जनता और विश्व समाज का शोषण करता रहे, बल्कि समाज सामूहिक रूप से अपने लिए स्वयं निर्णय करके निश्चित अवधि के लिए सरकार चुनेगा। भारतवर्ष में इस तरह के प्रयोग स्वतंत्र जनपदों के माध्यम से हुए जिन्हें संघ या गण कहा जाता था। फिर यूरोप में वर्तमान प्रजातंत्र के विचार का उदय हुआ। यूनान के एथेंस को वर्तमान प्रजातंत्र का जनक माना जाता है। लंबे समय तक कई बदलावों और संघर्षों के बाद ब्रिटेन में पहली पार्लियामेंट 1707 ई. में बनी। हालांकि तब तक प्रजातंत्र का स्वरूप सीमित अभिजात वर्ग तक ही उपलब्ध था। संयुक्त राज्य अमेरिका ने सीमित प्रजातंत्र की अवधारणा को अमान्य करके 1776 में अमेरिकन स्वतंत्रता की उद्घोषणा में कहा कि, 'सभी मनुष्य समान बनाए गए हैं, उन्हें पैदा करने वाले ने कुछ अधिकार दिए हैं जिनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता, जिनमें से जीवन, स्वतंत्रता और प्रसन्नता प्राप्त करने के प्रयास करने का अधिकार मुख्य हैं।' कालांतर में अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने प्रजातंत्र को 'लोगों की, लोगों के द्वारा, और लोगों के लिए सरकार' के रूप में परिभाषित किया। यदि संक्षेप में प्रजातंत्र को समझने का प्रयास करें तो प्रजातंत्र में सबके मानवाधिकारों की रक्षा करते हुए व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से विकास करने का वातावरण बनाते हुए लोग स्वयं अपने लिए जब शासन व्यवस्था का संचालन कानून के अनुसार करते हैं, तब प्रजातंत्र फलीभूत होता है। प्रजातंत्र का आधार मौलिक अधिकार हैं। और समानता को चरितार्थ करने के लिए कानून का शासन मुख्य उपकरण है। कानून का सर्वोच्च प्रकार संवैधानिक कानून है, जिसके दायरे में रह कर बाकी कानून बनाए जाते हैं। कोई कानून ठीक नहीं है तो उसको संशोधित करने की व्यवस्था होती है किन्तु जब तक है तब तक उसको मानना ही होगा। कानून सब पर बराबर लागू होगा। इसी को काानून का शासन कहा जाता है। शासन के मुख्य काम न्याय करना, कानून बनाना, प्रशासन संभालना और विकास की नीतियों और कार्यों को लागू करना होते हैं। यदि एक ही व्यक्ति काानून बनाएगा, न्याय करेगा, और प्रशासन चलाएगा तो वह तानाशाह बन सकता है, इसीलिए इन तीनों शक्तियों को अलग-अलग संस्थाओं के हाथ में रखा जाता है जिसे हम शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कहते हैं।

कुछ अलग

# वर्क फ्रॉम जेल...

**आज़ादी** के अमृत काल में शायद ही कोई ऐसा क्षण गुज़रता हो जब किसी को अपने भारतीय होने पर गौरव न होता हो। बाबा सिद्दिकी को मारने के बाद जब पुलिस हिरासत में बिश्नोई गैंग के शूटर ने पत्रकारों को सम्बोधित किया तो समझ में आया कि पिछले ग्यारह सालों में विश्व गुरू ने किसी पत्रकार वार्ता को सम्बोधित क्यों नहीं किया? ऐसे छोटे-मोटे कामों के लिए तो किसी गैंग के शूटर्स ही काफी हैं। चुनावी रैलियों में लोगों से बतियाने के लिए विश्व गुरू के पास पहले से ही मटन, मछली, भैंस, मंगलसूत्र जैसे कई अहम मुद्दे मौजूद हैं। फिर देश के अहम मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए पक्षकारों को थोथे राष्ट्रवाद या प्राचीन गौरव की चाशनी ही तो चाहिए। ऐसे में क्या ज़रूरी कि विश्व गुरू हर ऐरे-ग़ैरे पक्षकार से बात करें या किसी पक्षकार वार्ता को सम्बोधित करें? वह तो हिन्दी फिल्मों के मशहूर अभिनेता राजकुमार की तरह केवल अपनी पसन्द के पक्षकारों से बात करना पसन्द करते हैं, वह भी अपनी पसन्द के डिज़ायनर कपड़ों में अपनी पसन्द की लोकेशन, मुद्दों और अपनी पसन्द के वक्त के हिसाब से। सौदागर फिल्म में राजकुमार का मशहूर डायलॉग है-'जानी...हम तुम्हें मारेंगे और ज़रूर मारेंगे, पर बंदूक भी हमारी होगी और गोली भी हमारी होगी और वह वक्त भी हमारा होगा...।' इसी तरह विश्व गुरू भी अपना सारा काम अपनी पसन्द के हिसाब से करना पसन्द करते हैं। हां, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का कोई शूटर, क्षमा करें माननीय भाई पुलिस हिरासत में भी पक्षकारों से मुख़ातिब हो सकता है। पुलिस की कोई पाबन्दी नहीं। अभी तक यह समझ में नहीं आया कि भाई को पुलिस ने पकड़ क्यों रखा है? जबकि भाई का कहना है कि उसने केवल बाबा सिद्दीकी जैसे बुरे आदमी को मारा है। बाबा सिद्दीकी के दाऊद इब्राहिम की गैंग से सम्बन्ध थे। लेकिन अगर उसके सम्बन्ध बिश्नोई गैंग से होते तो फिर उसे कौन मार सकता था। लेकिन लॉरेन्स भाई को लाख सलाम। नहीं, नहीं लाख नमस्कार। सलाम से आतताई धर्म की बू आती है। 'वर्क फ्रॉम जेल' की इससे बेहतर मिसाल नहीं मिल सकती। अरविंद केजरीवाल चाह कर भी तिहाड़ जेल से दिल्ली के मुख्यमंत्री का कामकाज नहीं देख पाए। लेकिन लॉरेन्स भाई की शान निराली है। खालिस्तानियों की हत्या में कनाडा और अमेरिका तक उसका नाम ले रहे हैं। भाई का नाम भी गजब है। लॉरेन्स, लॉरेन्स बिश्नोई। इसे कहते हैं देसी गधा और मुलतानी काठी। भाई 2015 से जेल में है। लेकिन जलवों की वही चमक बरक़रार है। अगर विश्वास नहीं तो फ़िल्मी भाई, मेरा मतलब है कि सलमान ख़ान से पूछ कर देखिए। सुनने में आया है कि जान के डर से फिल्मी भाई ने दो करोड़ की बुलेट प्रूफ गाड़ी ख़रीदी है। 'वॉटेन्ड' फ़िल्म में फ़िल्मी भाई ने बड़ी ठसक के साथ पुलिस अधिकारी के साथ-साथ भाई का रोल भी निभाया था। लेकिन असल ज़िंदगी का भाई इतना भारी पड़ा कि बेचारे को बुलेट प्रूफ गाड़ी ख़रीदनी पड़ी। फिर भी ज़रूरी नहीं कि जान बच जाए। मौसम चुनावी है और अगर बादशाह सलामत को लगा कि फिल्मी भाई के जाने से चुनाव में फायदा मिल सकता है, तो फिर उसकी जान बचाने की ज़िम्मेवारी ख़ुदा भी नहीं ले सकते। हां, लॉरेन्स की गैंग ने फ़िल्मी भाई की जान बख़्शने की क़ीमत पांच करोड़ मांगी है। ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सऐप पर मैसेज भेज कर। पांच करोड़ में सौदा बुरा नहीं। पुलिस और भाइयों के बीच अमर प्रेम का यह बेहतरीन उदाहरण है। कोरोना के दौरान आपदा में अवसर का कितनों ने लाभ उठाया? पीएम केयर्स फंड के अलावा इसका कोई बड़ा उदाहरण सामने नहीं आया।

देश दुनीया से

# स्वर्णऋण के प्रति बढ़ता भारतीयों का रुझान

**किसी** भी देश के आर्थिक विकास को गति देने हेतु पूंजी की आवश्यकता रहती है। तेज आर्थिक विकास के चलते यदि किसी देश में वित्तीय बचत की दर कम हो तो उसकी पूर्ति ऋण में बढ़ौतरी से की जा सकती है। भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है। भारत में वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रथम तिमाही में विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा 39,687 करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए गए थे, स्वीकृत की जाने वाली यह राशि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 62,835 करोड़ रुपए हो गई एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में और आगे बढ़कर 79,218 करोड़ रुपए हो गई। गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में स्वर्ण ऋण के मामले में 26 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर हासिल की है जबकि अन्य प्रकार के ऋणों में इसी अवधि के दौरान औसत वृद्धि दर 12 प्रतिशत की रही है। भारतीय नागरिक स्वर्ण ऋण के प्रति बहुत अधिक आकर्षित हो रहे हैं। आज भारत के विभिन्न गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं विभिन्न बैंकों द्वारा भारी मात्रा में स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए जा रहे हैं। अगस्त 2024 माह में बैंकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों ने मिलकर 41 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करते हुए 1.4 लाख करोड़ रुपए के स्वर्ण ऋण स्वीकृत किए हैं। आज गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों के कुल ऋण में स्वर्ण ऋण का प्रतिशत में हिस्सा सबसे अधिक है, दूसरे स्थान पर स्कूटर एवं चार पहिया वाहनों के लिए प्रदान किए गए ऋणों का ऋण हैं, इसके बाद तीसरे स्थान पर व्यक्तिगत ऋण 14 प्रतिशत के भाग के साथ है एवं इसके बाद जाकर गृह ऋण का नम्बर आता है जो कुल ऋण का 10 प्रतिशत भाग है। बैकों एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण ऋण पर पूंजी पर्याप्तता सम्बंधी शिथिल नियमों का पालन करना होता है। अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में स्वर्ण ऋण पर जोखिम का भार (रिस्क वेट) तुलनात्मक रूप से कम रहता है। इससे बैंक एवं गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियां भी स्वर्ण ऋण प्रदान करने की ओर आकर्षित होते हैं। यहां स्वाभाविक रूप से प्रशन्न उभरता है कि पिछले लगभग 3 वर्षों के दौरान भारत के नागरिकों में स्वर्ण ऋण के प्रति इतना रुझान क्यों बढ़ा है? भारतीय रिजर्व बैंक के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 822 मेट्रिक टन से भी अधिक हो गए हैं परंतु विश्व स्वर्ण काउन्सिल के एक अनुमान के अनुसार, भारतीय नागरिकों के पास स्वर्ण के भंडार बढ़कर 25000 टन से भी अधिक के हो गए हैं, जिनकी बाजार कीमत वर्ष 2020 में 109 लाख करोड़ रुपए की थी। भारत में नागरिकों के पास स्वर्ण भंडार विश्व के कुल स्वर्ण भंडार का 11 प्रतिशत है। भारत में प्रतिवर्ष 750 से 800 टन स्वर्ण का आयात होता है और पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत में 17,500 टन स्वर्ण का आयात हुआ है और मार्च 2019 से मार्च 2024 के दौरान भारत में स्वर्ण भंडार 40 प्रतिशत से बढ़ गए हैं। दरअसल, भारत में दीपावली (धन तेरस) के शुभ अवसर पर स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है एवं मध्यमवर्गीय परिवार भी धन तेरस के दिन स्वर्ण की खरीद प्रति वर्ष करते हैं। इससे भारत के करोड़ों परिवारों के पास स्वर्ण का स्टॉक उपलब्ध रहता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों द्वारा स्वर्ण ऋण प्रदान करने के सम्बंध में नियमों को बहुत सरल बनाया है एवं अब भारतीय नागरिकों को स्वर्ण के स्टॉक के विरुद्ध ऋण बहुत ही आसान शर्तों पर उपलब्ध होने लगा है। भारत में प्रचिलित परम्पराओं के अनुसार मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा स्वर्ण को बेचना शुभ नहीं माना जाता है जबकि स्वर्ण की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः स्वर्ण को बाजार में बेचने के स्थान पर स्वर्ण को बैंक में गिरवी रखकर उसके विरुद्ध बैंक से आसानी से स्वर्ण ऋण प्राप्त करना ज्यादा उचित माना जाता है। और फिर, हाल ही के वर्षों में भारतीय शेयर बाजार बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रहा है और विभिन्न कम्पनियों के शेयरों में किए गए निवेश पर 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक की आय प्रतिवर्ष होने लगी है। इससे बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय नागरिक (खुदरा निवेशक) शेयर बाजार में निवेश करने हेतु आकर्षित हुए हैं। चूंकि स्वर्ण ऋण बहुत ही आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं अतः मध्यमवर्गीय परिवार स्वर्ण ऋण लेकर पूंजी बाजार में निवेश अथवा चार पहिया वाहन खरीदने एवं गृहों का निर्माण करने लगे हैं।

भारत में ऋण : सकल घरेलू अनुपात अन्य विकसित एवं कुछ विकासशील देशों की तुलना में अभी बहुत कम है। परंतु, हाल ही के समय में भारत का सामान्य नागरिक ऋण के महत्व को समझने लगा है एवं भौतिक संपति के निर्माण में अपनी बचत के साथ साथ ऋण का भी अधिक उपयोग करने लगा है। कुछ बैंक सामान्यजन को ऋण प्रदान करने हेतु प्रतिभूति की मांग करते है। भारत में सामान्यजन के पास स्वर्ण के रूप प्रतिभूति उपलब्ध रहती है अतः स्वर्ण ऋण बहुत अधिक चलन में आ रहा है। विशेष रूप से गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा ऋण की प्रतिभूति के विरुद्ध स्वर्ण ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में तेजी से बढ़ रहे स्वर्ण ऋण के कारणों एवं कारकों का वर्णन इस लेख में किया गया है।

आप का नजरीया

# शानन सियासी पलड़ा नहीं

**राजनीति** पार्टी के दायरों के बाहर भी मुकम्मल हो सकती है, यह पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कई बार साबित किया है। मौजूदा दौर में वह वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के साथ हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के तमाम फैसलों के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। वह प्रदेश के अर्थतंत्र में किसी भी मुख्यमंत्री की दिक्कतों को समझते हैं, इसलिए सार्थक समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री सुक्खू के साथ हो जाते है। यह दीगर है कि प्रदेश की सियासत में भाजपा वर्तमान सरकार को आर्थिकी के हर मोर्चे पर कोस ही नहीं रही, बल्कि सुधार के हर फैसले का विरोध भी कर रही है। समर्थन की तहरीर में शानन विद्युत परियोजना है जिससे हिमाचल का खजाना राहत प्राप्त कर सकता है। पंजाब पुनर्गठन की भावना के विरोध में खड़े वातावरण में हिमाचल के वैधानिक अधिकार आज भी तिरोहित हैं, तो इस हमाम में हर तरह की राजनीति दोषी है। बड़े राज्यों के सियासी हितों के कारण पहाड़ी राज्य के आत्मसम्मान पर चोट लगी है। अगर पंजाब पुनर्गठन की आत्मा जिंदा रहती तो हिमाचल आज आत्मनिर्भर होता। आश्चर्य यह है कि जब पंजाब के पर्वतीय इलाके हिमाचल में शामिल हो रहे थे तो इसे सियासी चुनौती मानकर देखा गया, वरना यह एक बसी बसाई आर्थिकी का हस्तांतरण भी था। तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई एस परमार व उनके सियासी सलाहकार अगर सियासत के बजाय हिमाचल से स्थानांतरित अधिकारों को अपनी ढाल बनाते, तो बीबीएमबी विद्युत परियोजना के आर्थिक लाभ अब तक एक स्थायी आकार ले चुके होते। पौंग बांध परियोजना में हिमाचल के नाम आईं सिसकियां तब अपने पुनर्वास व आर्थिक उत्थान की पैरवी करतीं। पंजाब पुनर्गठन से चंडीगढ़ में हरियाणा-पंजाब की हिस्सेदारी में संपत्तियां बंट सकती हैं, तो 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी में हिमाचल को भी अपना क्षेत्रीय वजूद हासिल होता। इसी संदर्भ में अगर हिमाचल की कई संपत्तियों पर तत्कालीन पंजाब राज्य का उत्तराधिकार मौजूदा पंजाब को मिल रहा है, तो साडा हक चंडीगढ़ की विरासत में क्यों नहीं। शानन की पेचीदगी में यह जख्म और भी गहरा तथा अन्याय का प्रतीक बन रहा है। एक लीज अनुबंध के तहत मंडी के राजा ने ब्रिटिश शासन को बिजली का घर बनाने की इजाजत दी थी, जो अब अपनी अवधि व वैधता पूरी करके नई स्लेट पर स्वाभाविक अधिकार का मसौदा लिख रहा है। एक सौ दस मेगावाट की इस परियोजना का मालिकाना हक अब न्याय की ऐसी कसौटी है, जहां यह मसला केवल दो राज्यों का नहीं केंद्र की पैरवी का भी है और यहां शांता कुमार सरीखे नेता का मुख्यमंत्री के साथ खड़ा होना वास्तविक परख है। जाहिर तौर पर वरिष्ठ नेता के बयान ने भाजपा को याद दिलाया है कि शानन कोई राजनीतिक पलड़ा नहीं, बल्कि राज्य का अस्तित्व है जिसे कभी पहाड़ी रियासतों के गठबंधन से एक स्वरूप, एक संस्कृति और पर्वतीय अस्मिता का प्रतीक बनाया गया था। यह पर्वतीय इतिहास का दस्तावेज है, जिसका अधिकार हिमाचली खजाने के सरोकार को बुलंद करता है।

# पश्चिमी राजस्थान में लगेगी 60 गीगावाट क्षमता की सोलर, विंड एवं हाइब्रिड परियोजना

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ यूएई के निवेश मंत्री की महत्वपूर्ण बैठक

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए के निवेश के ऐतिहासिक एमओयू (समझौता पत्र) पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए गए। यह निवेश प्रदेश के पश्चिमी जिलों में 60 गीगावाट क्षमता की सोलर, विंड एवं हाइब्रिड परियोजना की स्थापना के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में यूएई के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी और उद्योग विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह ऐतिहासिक एमओयू अक्षय ऊर्जा से संबंधित आधुनिकतम तकनीक का उपयोग करते हुए एक दीर्घ अवधिक विद्युत परियोजना की स्थापना के माध्यम से प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से किया गया। इस पहल के अंतर्गत यूएई एक योग्य एवं सक्षम डेवलपर की नियुक्ति भी करेगा जो प्रदेश में शासन-प्रशासन के स्तर पर समन्वय स्थापित कर परियोजना को तेजी से साकार रूप प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। केंद्र

सरकार ने देश में 500 गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान को 250 गीगावॉट के सोलर प्लांट लगाने होंगे। यूएई के साथ यह साझेदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। यह परियोजना ऊर्जा उत्पादन में वांछित बदलाव लेकर आएगी साथ ही, इससे राजस्थान संवहनीय ऊर्जा नवाचारों के मॉडल के तौर पर भी उभरेगा। शर्मा ने कहा कि अनुकूल निवेश नीतियों से राजस्थान अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की पसंद बना है। आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है। अगले 10 वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए हमने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए के एमओयू किए हैं। लगभग 10 महीने के कार्यकाल में 32 हजार मेगावॉट के संयंत्र लगाने के एमओयू साइन किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और यूएई के बीच आर्थिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक साझेदारी और गहरी हुई है। यूएई, भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जबकि भारत से होने वाले निर्यात में यूएई दूसरे पायदान पर है। यह दोनों देशों के संबंधों की प्रगाढ़ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में दोनों देशों के बीच हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) से द्विपक्षीय व्यापार के नए अवसर खुल रहे हैं। यूएई के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवैदी ने कहा कि नवीकरणीय संसाधनों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पारंपरिक ऊर्जा से अक्षय ऊर्जा की ओर इस बदलाव में यूएई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्थान की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियां ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों के लिए सर्वथा उपयुक्त हैं। निश्चित रूप से ये नवाचार ही आगे चलकर ऊर्जा क्षेत्र की तस्वीर बदलेंगे। मुलाकात के दौरान शर्मा ने आगामी 9 से 11 दिसम्बर तक जयपुर में आयोजित होने जा रहे राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में सुवैदी को आमंत्रित किया। शर्मा ने यूएई के निवेश मंत्री को राजस्थान में अक्षय ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा भंडारण, वितरण के साथ-साथ होटल एवं पर्यटन, और अवसंरचना विकास परियोजनाओं में निवेश की संभावनाओं के बारे में भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पंप स्टोरेज ऊर्जा उत्पादन, सौर ऊर्जा, पेयजल परियोजनाओं एवं हाइवे निर्माण में वृहद स्तर पर परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। ऐसे में यूएई के सॉवरिन वेल्थ फंड और अन्य फंड्स के लिए राजस्थान में निवेश के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं।

## महिला सर्विस वोटर के पति को भी मिलेगी पोस्टल बैलेट की सुविधा

**झुंझुनू ( हिंस )।** सेवा मतदाता (सर्विस वोटर) यदि महिला है और पति भी उसके साथ ही रहता है तो उसे भी सर्विस वोटर मानते हुए पोस्टल बैलेट की सुविधा दी जाएगी। पहले जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (8) के अनुसार केवल पुरुष सेवा मतदाता की पत्नी, जो उसके साथ रहती है, को ही सेवा मतदाता के रूप में अपना वोट डालने की अनुमति थी। यह सुविधा महिला सेवा मतदाता के साथ रहने वाले उसके पति को उपलब्ध नहीं थी। जानकारी के मुताबिक इस संबंध में चुनाव आयोग द्वारा तर्क दिया गया था कि यह कई पात्र मतदाताओं को मतदान के अधिकार से वंचित करने जैसा है। आयोग ने कानून मंत्रालय को सिफारिश की थी कि सेवा मतदाता के मामले में पति-पत्नी की बजाए जीवनसाथी शब्द का उपयोग किया जाए ताकि सेवारत पतियों के साथ रहने वाली पत्नियों की तरह ही सेवारत पत्नियों के साथ रहने वाले पति भी मतदान करने में सक्षम हो सकें। इसके बाद धारा 20 (6) में संशोधन करते हुए पति-पत्नी शब्द के स्थान पर अब जीवनसाथी शब्द का प्रयोग किया गया है।

## फरीदाबाद : नहीं बना डोमिसाइल तो शिविर में रोने लगी लड़की

**फरीदाबाद ( हिंस )।** बल्लभगढ़ विधानसभा के नगर निगम में मंगलवार समाधान शिविर लगाया गया, जहां पर अपना डोमिसाइल बनवाने के लिए आई एक युवती का काम न होने पर वहीं रोने लगी। युवती का नाम वर्षा है, जो अपनी मां के साथ डोमिसाइलबनवाने के लिए आई थी। उसने रोते हुए बताया कि कॉलेज में डोमिसाइल की बहुत जरूरत है, उसे नहीं दिया तो कॉलेज से नाम काट दिया जाएगा डोमिसाइल नगर निगम से ही बनेगा उसके लिए 15 साल पुराना प्रूफ मांग रहे हैं। वर्षा ने बताया कि परिवार में उसकी माता का डोमिसाइल बना हुआ है लेकिन उसे प्रूफ के तौर पर नहीं लिया कह दिया कि 15 साल पुराना कोई प्रूफ लेकर आओ उसके बाद डोमिसाइल बनेगा। वर्षा ने रोते हुए कहा की समाधान शिविर सिर्फ नाम के लिए लगाया गया है लोगों की किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा। वर्षा की माता यशोदा ने कहा बेटी की डोमिसाइल बनवाने के लिए नगर निगम के समाधान शिविर में पहुंचे हैं लेकिन यहां कोई समाधान नहीं हुआ। अगर कॉलेज में बेटी ने डोमिसाइलजमा नहीं करवाया तो बच्ची का स्कॉलरशिप का पैसा नहीं आ पाएगा। इस उम्मीद से समाधान शिविर में आए थे कि हमारा काम हो जाएगा लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। वहीं नगर निगम के संयुक्त आयुक्त कारण गदोरिया ने कहा कि डोमिसाइल बनवाने के लिए 15 साल प्रूफ की जरूरत पड़ती है, अगर वह किसी के पास नहीं है तो किसी भी गजेटेड ऑफिसर से पेपर पर साइन करवा के लाएंगे तो उनका डोमिसाइल बन जाएगा। उन्होंने बताया कि आज समाधान शिविर में 19 शिकायतें आई थी, जिनमें से 16 शिकायतें प्रॉपर्टी आईडी से जुड़ी हुई थी। उन सभी को अगले 5 दिनों में समाधान कर दिया जाएगा, वहीं दो शिकायतें सीवर और पानी से थी जिनका मौके पर समाधान कर दिया गया है। एक शिकायत डोमिसाइल से जुड़ी हुई थी, पेपर पर साइन हो जाएंगे तो उसका भी काम हो जाएगा।

## पंजाब : 2015 के बेअदबी मामलों में राम रहीम के खिलाफ केस दर्ज करने की मिली मंजूरी

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** पंजाब सरकार ने राज्य में करीब नौ साल पहले हुई गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटनाओं में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम के विरुद्ध केस चलाने को मंजूरी दे दी है। राम रहीम के विरुद्ध बेअदबी से जुड़े तीन मामलों में केस चलाया जाएगा। इस मामले की शुरुआत जून, 2015 में फरीदकोट के बुर्ज जवाहर सिंह वाला गांव में एक गुरुद्वारे से गुरु ग्रंथ साहिब की एक प्रति की चोरी से शुरू हुई थी। इसके बाद सितंबर में फरीदकोट के जवाहर सिंह वाला और बरगाड़ी गांवों में पवित्र ग्रंथ के खिलाफ़ हाथ से लिए हुए अपवित्र पोस्टर लगाए गए। उसी वर्ष अक्तूबर में बरगाड़ी में एक गुरुद्वारे के पास पवित्र ग्रंथ के कई फटे हुए अंग (पृष्ठ) बिखरे हुए मिले। बाद में पंजाब में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। राज्य पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिसमें दो आंदोलनकारियों की मौत हो गई। इस दौरान पंजाब में सामाजिक और राजनीतिक अशांति और बढ़ गई। पंजाब सरकार की मंजूरी मिलने के बाद अब पंजाब के फरीदकोट की अदालत में राम रहीम के विरुद्ध ट्रायल चलेगा। गुरमीत राम रहीम इस समय रोहतक की सुनारियां जेल में बेद हैं। पिछले सप्ताह पंजाब सरकार की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेअदबी से जुड़े मामलों में पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट का स्थगनादेश हटा दिया था। साथ ही इस मामले में डेरा प्रमुख को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब तलब किया था। कांग्रेस ने यह मामला उठाते हुए गृह विभाग का मुखिया होने के नाते सीएम भगवंत मान को घेरा था। डेरामुखी की फाइल करीब सवा दो साल से सीएम आफिस में पड़ी हुई है। आम आदमी पार्टी के विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह भी यह मामला विधानसभा में उठा चुके हैं।

## फरीदाबाद में सात पाकिस्तानियों को मिली भारतीय नागरिकता

**फरीदाबाद ( हिंस )।** जिला प्रशासन ने मंगलवार को जिले में रह रहे सात पाकिस्तानी नागरिकों को भारतीय नागरिकता के पत्र सौंपे। जिलाधीश विक्रम सिंह ने मंगलवार को इन महिला-पुरुष नागरिकों को भारतीय संविधान के अनुपालना की हिंदी में शपथ दिलाई। जिले में भारतीय नागरिकता का इंतजार कर रहे पकिस्तान से आए सात और लोगों को जिलाधीश विक्रम सिंह ने मंगलवार को अपने कार्यालय में बुलाकर भारतीय नागरिकता के पत्र सौंपे। जिला प्रशासन ने सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद नागरिकता संशोधन के तहत प्रदत्त अधिकारों के तहत राकेश प्रकाश, बेमला देवी, जीतो लाल, ज्ञान चंद, सीतन बाई, उम्मीद कुमार और हंसराज को भारत के नागरिक का प्रमाणपत्र दिए। इस मौके पर जिलाधीश विक्रम सिंह ने पकिस्तान से आए इन महिला-पुरुष नागरिकों को भारतीय संविधान की अनुपालना की शपथ दिलाई। सभी ने हिंदी में शपथ ली। नागरिकता मिलने पर सबको बधाई देते हुए जिलाधीश ने कहा कि भारत का नागरिक होना अत्यधिक गर्व और सम्मान की बात है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। भारत में सबको समान रूप से अधिकार प्राप्त हैं। सबको देश की मजबूती व अखंडता के लिए एकजुटता के साथ सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकता लेने के साथ सभी को यहां परंपराओं व संस्कृति को अपनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

## मॉक ड्रिल : बाड़मेर में रेल हादसे की सूचना पर मचा हड़कंप

**जोधपुर ( हिंस )।** संभाग के बाड़मेर जिले में मंगलवार सुबह ट्रेन हादसे की खबर से हड़कंप मच गया। सूचना मिली कि बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के एक डिब्बे पर दूसरा डिब्बा चढ़ गया है। इस पर रेलवे की ओर से आपातकालीन सायरन बजने लगा। इसके साथ ही सरकारी मशीनरी एक्टिव हो गई और तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरपीएफ, रेलकर्मी, पुलिस, मेडिकल टीम, एंबुलेंस, फायर बिग्रेड, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंची। बचाव कार्य का ऑपरेशन किया गया। लोगों को राहत तब मिली, जब पता चला कि यह एक मॉकड्रिल था। मॉक ड्रिल के दौरान अधिकारियों ने यात्रियों के बचाव व राहत कार्यों का अवलोकन किया। कोच में फंसे हुए यात्रियों को आपदा प्रबंधन टीमों ने बाहर निकाला। रेलवे

अधिकारियों के मुताबिक यह रेलवे की ओर से मॉक ड्रिल थी। इससे पीछे मुख्य उद्देश्य यही था कि दुर्घटना होने पर कैसे जल्दी से जल्दी उससे निपटा जाए। दुर्घटना में फंसे लोगों को बचाना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए मॉकड्रिल में सभी एजेंसियों ने भाग लिया। इसमें एनडीआरएफ और रेलवे सहित तमाम टीमों ने भाग लिया। इस दौरान सभी टीमों ने अच्छा कार्य किया गया। एनडीआरफ टीम के योगेश कुमार ने बताया कि सीईटी परीक्षा होने के बावजूद प्रशासन ने मॉकड्रिल में बढ़ चढ़ हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि मॉकड्रिल इसलिए करवाया जाता है कि इस तरह की दुर्घटना के समय सभी विभाग समन्वय बिठाकर जल्द से जल्द राहत कार्य शुरू कर सके। मॉक ड्रिल में सभी एजेंसियों ने भाग लिया। एनडीआरएफ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एसडीआरएफ, रेलवे पुलिस टीम, राजस्थान पुलिस, मेडिकल टीम, सिविल डिफेंस टीम, बीएसएफ आदि सभी ने यह दिखाया कि कैसे हम ऐसी घटनाओं से डील कर सकते हैं। सभी ने अच्छा काम किया। इससे यह पता चलता है कि अगर ऐसी आपदा आई तो हमें किससे क्या सहयोग लेना है। रेलवे के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार- बाड़मेर रेलवे स्टेशन के पिलर नंबर 835 के पास एक्सीडेंट का खास सेटअप तैयार किया गया था। इसमें दो डिब्बे यूज किए गए। डिब्बों को क्रेन से डिरेल किया गया। एक डिब्बा पटरी पर आड़ा-तिरछा रखा गया। दूसरे डिब्बे को क्रेन की मदद से ऊपर चढ़ाया गया। देखने पर लग रहा था सच में भीषण एक्सीडेंट हो गया है। यह इसलिए किया गया कि ऊंचाई पर फंसे घायल यात्रियों को किस तरह निकाला जा सकता है।

## राजस्थान हाईकोर्ट : आदेश की पालना नहीं करने पर आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव तलब

**जोधपुर ( हिंस )।** राजस्थान उच्च न्यायालय ने आयुर्वेद विभाग के शासन उप सचिव को तलब किया और आदेशित किया कि आदेश की अवज्ञा और दुराग्रही कृत्य के लिए क्यों नहीं उसके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई शुरू की जाएं। आयुर्वेद डॉक्टर को कोर्ट के आदेश के बावजूद 60 साल पर रिटायर कर देने पर हाइकोर्ट ने गंभीरता से लिया। रिट याचिका की सुनवाई के दौरान हाइकोर्ट न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने आदेश जारी किया है। डूंगरपुर निवासी डॉ. प्रवीण कुमार पांड्या की ओर से अधिवक्ता यशपाल हिलेरी और विनीता चांगल ने रिट याचिका दायर कर बताया कि याचिकाकर्ता आयुर्वेद विभाग में वरिष्ठ चिकित्साधिकारी है और आयुर्वेद डॉक्टर्स की रिटायरमेंट आयु 60 से 62 वर्ष करने वाले फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है तथा हॉल में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश पुनर्विचार याचिका भी खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता के अधिवार्षिकी आयु 60 साल 30 सितंबर 2024 को पूरी होने से पूर्व ही उसने रिट याचिका दायर कर उसे 62 वर्ष से पूर्व रिटायर नहीं करने की

गुहार लगाई गई।। जिस पर हाइकोर्ट के एकलपीठ न्यायाधीश फरजंद अली ने निर्णय 20 सितंबर 24 से याची को 62 वर्ष से पूर्व रिटायर नहीं करने के आदेश दिए थे। बावजूद इस आदेश के, जानबूझकर अवज्ञा करते हुए आयुष विभाग के शासन उप सचिव ने 30 सितंबर 24 को आदेश जारी कर याची को जबरन रिटायर कर दिया। उपनिदेशक, आयुर्वेद विभाग, डूंगरपुर और निदेशक, आयुर्वेद विभाग, अजमेर से निवेदन करने पर उनके द्वारा मौखिक रूप से बताया गया कि कोर्ट के आदेश के वनिस्पत राज्य सरकार का आदेश मानना जरूरी होता है। इसलिए निवेदन करने के बावजूद और कोर्ट के आदेश का संज्ञान होने के बाद भी याची को 30 सितंबर 2024 को जानबूझकर रिटायर कर दिया गया। जिस पर याचिकाकर्ता ने पुनः नई रिट याचिका पेश कर आयुर्वेद विभाग के उप शासन सचिव को कंटेम्प्ट नोटिस जारी कर याची को राजकीय सेवा में पुनः वापिस लेने की गुहार लगाई गई। अधिवक्ता हिलेरी ने बताया कि आयुर्वेद विभाग के वर्तमान शासन उपसचिव जोकि राज्य के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के विशेष सहायक भी है हाइकोर्ट द्वारा पारित किसी भी आदेश की पालना नहीं की कर रहे हैं। जानबूझकर कोर्ट के आदेशों का मखौल उड़ाया जा रहा है और प्रत्येक आदेश की पालना के लिए अवमानना याचिकाए दायर करनी पड़ रही हैं। याचिकाकर्ता के तर्कों और मामले की परिस्थितिया और आदेशों की अवज्ञा को देखते हुए हाइकोर्ट न्यायाधीश फरजंद अली की एकलपीठ ने प्रतिवादी संख्या 4 आयुष विभाग के शासन उप सचिव सावन कुमार चायल को अगली सुनवाई तारीख 18 नवंबर पर न्यायालय के समक्ष व्यक्तिशः उपस्थित रहने के निर्देश देते हुए यह कहा कि उसके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई क्यों न शुरू की जाएं।

## उत्तर प्रदेश में पिछड़ा वर्ग को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास शुरू

**लखनऊ, ( हिंस )।** इंदिरा भवन स्थित पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के लोगों को सरकारी लाभ पहुंचाने की कोशिश शुरू हो गई है। मंगलवार को पिछड़ा वर्ग के लोगों की समस्याओं एवं सरकारी योजनाओं में उन्हें मिलने वाले लाभ पर व्यापक चर्चा हुई। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप और पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में पहुंचकर समस्या और समाधान दो बिन्दुओं पर अधिकारियों से वार्ता की। इस चर्चा में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पिछड़ा वर्ग आयोग से जुड़े जो भी मामले पहले से लंबित हैं, उनका शीघ्रता से निस्तारण कराया जाए। पिछड़ा वर्ग कल्याण योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक तेजी से पहुंचा सके तो बेहतर होगा।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, हमारी यही मंशा है। आयोग को और अधिक सक्रिय कर उसकी पहुंच को जमीनी स्तर तक विस्तारित करना होगा। जिससे पिछड़ा वर्ग के लोगों को समय पर न्याय और लाभ मिल सके। आयोग के कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग से जुड़े कर्मचारी अपने आप को सक्रिय करें, जिससे हर संभव कार्य को समय से पूर्ण किया जाए। व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास को तेज करने के साथ ही बीच-बीच में बैठकें और समीक्षा होती रहे। पिछड़ा वर्ग के लोगों और प्रदेश सरकार में दूरी कम करने का हमारा प्रयास होना चाहिए।

## सोशल मीडिया में फजीहत के बाद बयान को लेकर अररिया सांसद ने लिया यू टर्न

**अररिया ( हिंस )।** हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान अररिया आरएस में हुए सभा में भाषण के बिगड़े बोल के वायरल होने के बाद अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अपने बयान से यू टर्न लिया है। उन्होंने अपने को सेक्युलर का सबसे बड़ा उदाहरण करार देते हुए कहा कि उनके दरवाजे पर आधा हिंदू आते हैं तो आधा मुसलमान। हिंदू मुस्लमान सबों को बराबर सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हिंदुओं को संगठित करने वाला बयान दिया था। चुनाव के समय हिंदू जाति उपजाति में जो बंट जाते हैं, उनको लेकर बयान दिया था लेकिन विपक्ष के राजद और कांग्रेस उसे गलत ढंग से प्रचारित और प्रसारित कर रहा है। विपक्ष के पास कोई काम नहीं है, फलस्वरूप अनर्गल प्रलाप में लगा है। उन्होंने वायरल बयान को लेकर कहा कि पूरा बयान नहीं चलाया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना बयान हिंदुओं को संगठित करने को लेकर दिया था और कहा था कि अररिया में रहना है तो संगठित होकर रहिए। मुसलमान शब्द का प्रयोग नहीं किया गया। उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि कोई भी धर्म हो चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, सिख हो या इसाई हो अपने-अपने धर्म के आधार पर पूजा पद्धति करने का उन्हें अधिकार है। उन्होंने कहा कि कभी भी उन्होंने हिंदू मुसलमान करके समाज को तोड़ने का काम नहीं किया। जिले में उनसे बड़ा कोई सेक्युलर नहीं है। उल्लेखनीय हो कि अररिया में शनिवार को हिंदू स्वाभिमान यात्रा के अररिया पहुंचने के बाद आरएस ठाकुरबाड़ी में हुए सभा में सांसद की ओर से दिए गए भाषण का एक अंश तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हुआ। जिसमे वे स्पष्ट रूप से कहते नजर आ रहे हैं कि अगर अररिया में रहना है तो हिंदू बनना होगा।

## लापता तीन भाईयों ने की 70 करोड़ की ठगी, हजारों महिलाओं ने किया घर पर हंगामा

**नवादा ( हिंस )।** जिले के उग्रवाद प्रभावित सिरदला थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव के रहस्यमय तरीके से गायब तीन भाइयों का स्कॉर्पियो मंगलवार को वाराणसी में बरामद किया गया है। 70 करोड रुपए ठगी कर भागने का आरोप हजारों महिलाओं ने लगाते हुए उसके घर का घेराव किया। थाने में लिखित सूचना देकर शीघ्र कार्रवाई की भी मांग की गई। नवादा के एसपी अभिनव धीमन ने बताया कि इस घटना की जांच के लिए विशेष दल का गठन कर दिया गया है जो बनारस जाकर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस स्कॉर्पियो से तीनों भाई भागे थे, उसे स्कॉर्पियो को भी बनारस में बरामद कर लिया गया है। एसपी ने साफ तौर पर कहा कि महिलाओं को विभिन्न बैंकों से लोन दिलाने के नाम पर बड़ी राशि की ठगी की गई है। राशि हड़पने के नियत सहित तीनों भाई फरार हो चुके हैं। षड्यंत्रकारी की पत्नी मेहरुनिशा ने सिरदला थाना में आवेदन देकर पति सहित तीन भाईयों के लापता हो जाने की शिकायत दर्ज करवाई है। जिसके बाद पुलिस महकमा सहित सिरदला, रजौली, मेसकौर और नरहट हिसुआ प्रखंडो में हड़कंप मच गया। एक साथ तीन भाई गाड़ी समेत अचानक लापता होने की शिकायत मिलते ही

नवादा पुलिस में खलबली मच गई। तीनों भाइयों ने नवादा, नालंदा, शेखपुरा सहित कई जिलों के महिलाओं से ऋण दिलाने के नाम पर बड़ी राशि की ठगी की है। एक-एक महिला को पांच बैंकों से कर्ज दिलाकर उसकी राशि हड़प ली है। पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान के निर्देश पर गठित विशेष टीम में शामिल रजौली एसडीपीओ गुलशन कुमार और सिरदला थानाध्यक्ष संजीत राम लापता तीनो भाईयों की टोह में जुट गए। पुलिस सूत्रों की माने तो शुरुआती जांच में पीड़ित महिला की शिकायत और टेक्निकल इनपुट में काफी भिन्नता पायी गई। पीड़ित महिला अनुसार गाड़ी सहित तीनो लापता भाई पटना गए हुए थे। जबकि पटना शहर से पूर्व टोल प्लाजा पर जांच में गाड़ी समेत तीनो भाई पहुंचे ही नहीं है। सीडीआर मुताबिक तीनो भाई का अंतिम लोकेशन उतर प्रदेश के बनारस में पाया गया। जहां मोबाइल बंद बताया जा रहा है। हालांकि बनारस पुलिस के मुताबिक लापता तीनो भाई का गाड़ी रोहनिया थाना क्षेत्र में वाराणसी-इलाहाबाद हाई वे के सर्विस लेन पर से लावारिस स्थिति में बरामद हुई है। पीड़ित परिजनों मुताबिक तीनो भाईयों का मोबाइल 18 अक्तूबर यानी शुक्रवार से लगातार बंद आ रही है। 24 घंटे बीत जाने के बाद परिजनों ने सिरदला थाना में आवेदन देकर बरामदगी की गुहार लगाया है। परिजनों द्वारा दिया गया आवेदन मुताबिक जीपीएस से लैस बीआर 27-4668 नंबर की काले रंग की स्कार्पियो गाड़ी से शुक्रवार यानी 18 अक्तूबर को तीनो भाई सिरदला थाना क्षेत्र के शेरपुर गाँव स्थित घर से नरहट थाना क्षेत्र के शेखपुरा बाजार स्थित लाइफ स्पेस नामक अपनी दुकान के लिए निकला था। परिजनों मुताबिक कुछ देर के बाद शेखपुरा से भी उसी स्कार्पियो में सवार होकर तीनो भाई पटना के लिए प्रस्थान कर गया. देर शाम 09 बजे फोन करने पर बताया गया कि पटना से घर के लिए निकल चुके है। जो करीब 12 बजे रात्रि को तीनो भाई घर शेरपुर पहुंच जाएंगे। जिसके बाद से तीनो भाईयों का मोबाइल लगातार बंद आ रहा है। 19 तारीख की सुबह तक जब तीनो भाई घर नहीं पहुंचा और मोबाइल बंद ही मिला। तब परिजनों ने सिरदला थाना में आवेदन देकर बरामदगी की गुहार लगाया है। लगभग 3000 महिलाओं ने शेरपुर गांव तथा थेन पर हंगामा किया। तब कहीं ठगी का मामला उजागर हुआ।

# सर्राफा बाजार में तेजी से चमका सोना चांदी की कीमत भी 1 लाख के पार

**नई दिल्ली।**
घरेलू सर्राफा बाजार में एक बार फिर तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में 250 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। इसी तरह चांदी ने उछल कर एक लाख रुपये के स्तर को पार कर लिया है। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये से लेकर 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73 हजार के स्तर को पार करके 73,160 रुपये से लेकर 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सर्राफा बाजार में चांदी ने भी 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई है। इस तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चांदी 1,01,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### लैब ग्रोन डायमंड ने बदल दी हीरे की लाइन, अब सभी के लिए हर घर हीरा जैसी लाइनें सुनाई देने लगी है

**नई दिल्ली।** हीरे की मांग और कीमतों में गिरावट ने हीरा है सदा के लिए वाली लाइन को मंद कर दिया। रत्न एवं आभूषण उद्योग में अब हीरा है, सभी के लिए हर घर हीरा जैसी लाइनें जोर शोर से सुनाई देने लगी है। प्राकृतिक हीरों की जगह बाजार में लैब में तैयार किये जा रहे हीरों मांग तेजी से बढ़ी है। बढ़ती मांग की वजह से लैब डायमंड के शोरूम तेजी से खुल रहे हैं। प्राकृतिक हीरों जैसे दिखने वाले कम कीमत वाले ये हीरे ग्राहकों को आकर्षित भी कर रहे हैं। हर व्यक्ति के मन में यह इच्छा होती है कि वह डायमंड की ज्वेलरी पहने, लेकिन लेकिन हीरे की कीमतें अधिक होने के कारण ये आदमी की पहुंच से दूर बने हुए। हीरा पहने की आम आदमी की इच्छा लैब ग्रोन डायमंड पूरी कर रहे हैं। कुछ साल पहले तक बड़े आभूषण कारोबारी लैब ग्रोन हीरों को नकली हीरा बता कर इनसे दूरी बना रहे थे लेकिन अब ये हीरे उद्योग जगत के चहेते बन गए है। यही वजह से त्योहारी सीजन में लैब ग्रोन डायमंड से बने आभूषणों के शोरूम भी तेजी से खुल रहे हैं। चालू त्योहारी सीजन में मुंबई और आस पास के इलाकों में करीब एक दर्जन लैब ग्रोन डायमंड आभूषण के शोरूम खुल गए हैं। धनतेरस और दीपावली त्यौहार को देखते हुए फायरफलाय ब्रांड घाटकोपर स्थित आर सिटी मॉल में अपना शोरुम खोला। कंपनी के अधिकारी ने बताया है कि लैब ग्रोन डायमंड की क्वालिटी इतनी अच्छी है कि लैब ग्रोन डायमंड और नेचुरल डायमंड में कोई अंतर नहीं दिखाई देता। फायरफलाय ने लैब ग्रोन डायमंड की ज्वेलरी को प्रेशियस गोल्ड में बनाया गया है जो आम आदमी के बजट में आसानी से बैठ सकता है। सबसे बड़ी बात ग्राहकों को स्पष्ट पता होता है कि वह प्राकृतिक हीरा नहीं, लैब में तैयार किया गया हीरा खरीद रहे हैं जिससे लोगों में भरोसा होता है। बेहतरीन पैकिंग और नए आयडिया के साथ तैयार की गई ज्वेलरी युवाओं को पसंद आ रही है और वह बाजार को आगे ले जा रहे हैं।

### अगले साल आएगा टाटा संस का आईपीओ, आरबीआई ने लिस्टिंग छूट देने से किया इनकार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह का प्रस्ताव अस्वीकृत कर दिया है,

जिसके तहत टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्टिंग से छूट देने का अनुरोध किया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने इस प्रस्ताव को नहीं माना, जिसका मतलब है कि टाटा संस को अब सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना पड़ेगा। इस खबर के बाद टाटा केमिकल्स के शेयरों में 14 फीसदी तक की तेजी आई, जबकि बीएसई पर टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 9.5 फीसदी का उछाल देखा गया। आरबीआई के नियमों के अनुसार अपर-लेयर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत सभी संस्थाओं को सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना अनिवार्य है। हालांकि, टाटा समूह ने इस विषय पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है लेकिन सूत्रों के अनुसार टाटा समूह टाटा संस को लिस्ट कराने के लिए अनिच्छुक है।

### सरकार ने शुरू किया ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल

**नई दिल्ली।** केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन' पोर्टल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सरल और निर्बाध पहुंच प्रदान करना है। इस पहल से श्रमिकों को सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने में आसानी होगी। इस कार्यक्रम के दौरान मांडविया ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल में रोजाना लगभग 60,000 से 90,000 श्रमिक जुड़ रहे हैं, जो इस प्रणाली पर बढ़ते भरोसे का संकेत है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम एकल खिड़की समाधान है, जो असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा। मांडविया ने इस पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि यह असंगठित श्रमिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और सरकारी कल्याण योजनाओं तक उनकी पहुंच को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि यह मंच एक पुल के रूप में कार्य करेगा, जो श्रमिकों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न लाभों से जोड़ेगा और पंजीकरण प्रक्रिया को आसान और अधिक पारदर्शी बनाएगा। मंत्री ने सभी असंगठित श्रमिकों से ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करने और उनके लाभ के लिए बनाई गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

**नई दिल्ली।**
**ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सप्ताह तक जारी रैली पर ब्रेक लगता हुआ नजर आने लगा है। पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांक दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का जबरदस्त दबाव बना रहा। एशियाई बाजार में दबाव के बीच मिला-जुला कारोबार हो रहा है।**

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान चौतरफा बिकवाली का दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स 350 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,853.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,540 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,870.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र में बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,318.24 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,536.23 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 196.18 अंक यानी 1.01 प्रतिशत टूट कर 19,461.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 3 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 6 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

गिफ्ट निफ्टी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,870 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,570.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत उछल कर 3,285.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। ये सूचकांक 494.20 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 38,460.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.15 प्रतिशत लुढ़क कर 2,575 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत फिसल कर 3,607.47 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,466.74 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 1,482.80 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,760.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# वारी एनर्जी का आईपीओ निवेशकों के बीच जोरदार प्रतिक्रिया के साथ शुरू

**मुंबई।**
वारी एनर्जी का आईपीओ निवेशकों के बीच जोरदार प्रतिक्रिया के साथ शुरू हुआ, पहले ही दिन पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया। 21 अक्टूबर को कंपनी के आईपीओ को कुल 3.47 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जिसमें रिटेल श्रेणी में 3.34 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स श्रेणी में 8.22 गुना और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स श्रेणी में भी 8.22 गुना सब्सक्रिप्शन देखा गया। दूसरे दिन भी इस आईपीओ पर निवेशक टूट पड़े है और अब तक अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 1427 रुपए से 1503 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 9 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 13,527 रुपए का दांव लगाना होगा। आईपीओ का साइज 4321.44 करोड़ रुपए का है। आईपीओ के जरिए वारी एनर्जी 2.4 करोड़ शेयर जारी करेगी। वहीं कंपनी 48 लाख शेयर ऑफर फार सेल के तहत जारी करेगी। वारी एनर्जी आईपीओ ग्रे मार्केट में काफी डिमांड में है।

**टूट पड़े निवेशक, पहले दिन 3 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन**

इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार आईपीओ 1500 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जीएमपी के हिसाब से अगर देखें तो वारी एनर्जी आईपीओ पहले दिन ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर सकती है। वारी एनर्जी आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 18 अक्टूबर को खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 1276.93 करोड़ रुपये जुटाए थे। बता दें कि एंकर निवेशकों को जारी किए गए 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड महज 30 दिनों का है। वारी एनर्जी आईपीओ का नेट प्रॉफिट जून तिमाही के दौरान 401.13 करोड़ रुपए रहा था। जबकि इस दौरान कंपनी का रेवन्यू 3496.41 करोड़ रुपए का था। इससे पहले वित्त वर्ष 2024 के दौरान वारी एनर्जी का नेट प्रॉफिट 1274.38 करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान कंपनी रेवन्यू 11,632.76 करोड़ रुपए था।

# हुंदै मोटर इंडिया के शेयर ने एक फीसदी गिरावट के साथ की शुरुआत

**नई दिल्ली।**
**दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंदै की भारतीय इकाई हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड का शेयर मंगलवार को 1,960 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 1,931 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.47 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। बाद में शेयर में कुछ सुधार हुआ और यह 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,968.80 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया।**

शेयर में फिर से 0.74 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1,945.40 रुपये पर कारोबार कर रहा था। एनएसई पर शेयर की शुरुआत 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,934 रुपये पर हुई। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार में 1,57,807.67 करोड़ रुपये रहा। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के अंतिम दिन गुरुवार तक 2.37 गुना अभिदान मिला था। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के 27,870 करोड़ के आईपीओ के लिए 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

# वित्त वर्ष 2025 में रियल जीडीपी 7.2 फीसदी बढ़ने का अनुमान : शक्तिकांत दास

**बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं हैं**

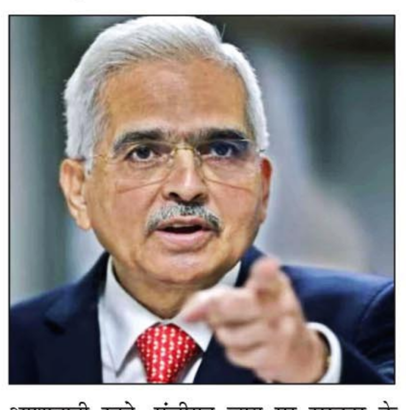

**नई दिल्ली।**
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रियल जीडीपी 7.2 प्रतिशत से बढ़ने की संभावना है। शक्तिकांत दास ने आरबीआई के मासिक बुलेटिन में कहा कि बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। सेवाओं में निरंतर उछाल से शहरी मांग को भी समर्थन मिलेगा। केंद्र और राज्यों के सरकारी व्यय में बजट अनुमानों के अनुरूप तेजी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता और कारोबारियों के आशावादी रहने, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर और बैंकों और कंपनियों की हेल्दी बैलेंस शीट से निवेश गतिविधि को लाभ मिलेगा। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जीपीडी वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई के दस्तावेज के अनुसार 2025-26 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस बीच 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें यह दूसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहेगी। 2025-26 की पहली तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि खाद्य मूल्य गति में तेजी और प्रतिकूल आधार प्रभावों के कारण सितंबर महीने में सीपीआई प्रिंट को लेकर उछाल देखने को मिलेगा। यह 2023-24 में प्याज, आलू, चना दाल के उत्पादन में कमी का भी प्रभाव रहेगा। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि घरेलू विकास ने अपनी गति बनाए रखी है और निजी खपत और निवेश में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विकास में लचीलापन हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने देता है।

# विकास के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है भारतः सीतारमण

**न्यूयॉर्क/नई दिल्ली।**
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक आर्थिक माहौल में चुनौतियां हो सकती हैं, लेकिन भारत विकास के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं और सेवाओं के अपने स्रोतों में विविधता लाने की चाह रखने वाले कई देशों के लिए एक प्रमुख भागीदार बन जाएगा।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में 'चुनौतीपूर्ण तथा अनिश्चित वैश्विक माहौल के बीच भारत की आर्थिक मजबूती व संभावनाएं' विषय पर विशेष व्याख्यान में यह बात कही। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की बैंकिंग प्रणाली मजबूत बनी हुई है, जिसमें गैर-निष्पादित आस्तियों का स्तर कम है और पूंजी पर्याप्तता अनुपात उच्च है।

उन्होंने कहा कि वित्तीय क्षेत्र प्रमुख उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए जरूरी ऋण प्रदान करके विकास को बनाए रखने में महत्वपूर्ण रहा है।

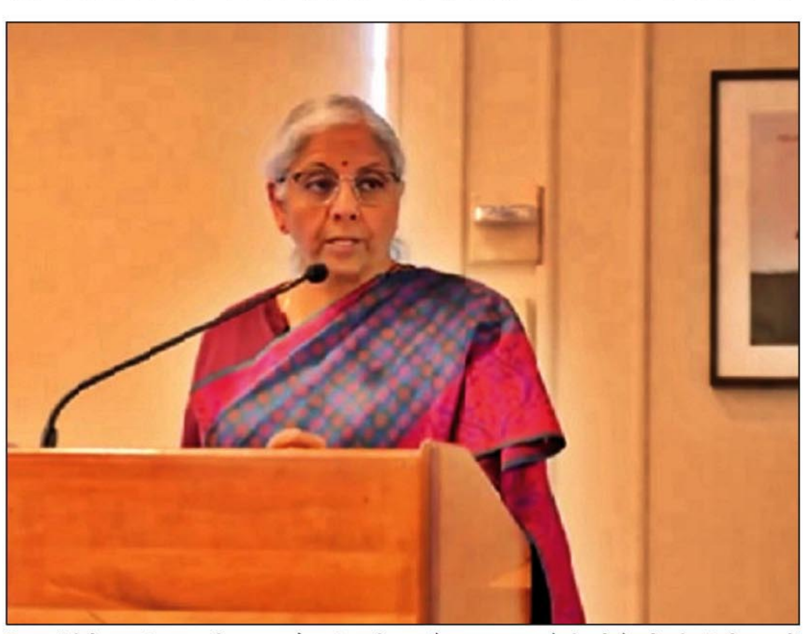

वित्त मंत्री ने कहा कि इस बीच भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी आई है, जिसमें भारतमाला और सागरमाला जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाओं ने पूरे देश में कनेक्टिविटी सुनिश्चित की है। सीतारमण ने कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश ने झटके झेलने की हमारी अर्थव्यवस्था की क्षमता को और मजबूत किया है, डिजिटल वित्तीय समावेशन ने उन लाखों नागरिकों तक पहुँच प्रदान की है जो पहले वंचित थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे कर रहा होगा, तब हमारे पास समृद्धि के एक नए युग को परिभाषित करने का मौका होगा, न केवल अपने नागरिकों बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए भी। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है और हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने, नवाचारों को साझा करने और वैश्विक शांति और समृद्धि में योगदान देने के लिए तैयार हैं।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि आने वाले दशक इस बात से परिभाषित होंगे कि भारत अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का कितने प्रभावी ढंग से प्रबंधन करता है, अपनी वैश्विक भागीदारी को मजबूत करता है और तेजी से बदलती दुनिया की जटिलताओं को कैसे पार करता है। उन्होंने कहा कि आगे चुनौतियां हैं और भारत के लिए न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि प्रौद्योगिकी, स्थिरता और समावेशी विकास पर वैश्विक विमर्श को आकार देने के लिए भी भरपूर भी अवसर हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय समावेशन के विस्तार में भारत के प्रयासों ने एक अधिक जीवंत और लचीली वित्तीय प्रणाली बनाई है। उन्होंने कहा कि 2011 के बाद से बैंक खाते रखने वाले वयस्कों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है, जिससे बचतकर्ताओं और निवेशकों का एक बड़ा समूह उपलब्ध हुआ है। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय पहुंच में यह वृद्धि, अधिक शिक्षित और कुशल कार्यबल के साथ मिलकर भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में उभरते रुझानों का लाभ उठाने की स्थिति में ला खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिवेश के लगातार जटिल होते जाने के बावजूद भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे मजबूत बने हुए हैं, जो भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत आधार के रूप में काम कर रहे हैं। 2013 में भारत बाजार विनिमय दरों पर दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। भारत की अच्छी आर्थिक वृद्धि का श्रेय इसके चतुर कोविड-19 प्रबंधन को दिया जा सकता है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपनी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने, डिजिटल और वित्तीय प्रणालियों पर ध्यान केंद्रित करने, नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यापार करने में आसानी बढ़ाने के लिए किए गए उपायों की एक श्रृंखला को भी दिया जा सकता है।

# नामीबिया अंडर-18 फिस्टबॉल विश्व चैम्पियनशिप के लिए तैयार

**विंडहोक।** नामीबिया की अंडर-18 राष्ट्रीय फिस्टबॉल टीम शुक्रवार को अंडर-18 विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए चिली के लंगक्विह्यू के लिए रवाना होगी। यह आयोजन 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक लंगक्विह्यू में आयोजित किया जाएगा।

फिस्टबॉल एसोसिएशन ऑफ नामीबिया के मीडिया अधिकारी हेल्मो मिंज ने सोमवार को सिन्हुआ को बताया कि टीम ने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें मार्च में तीन ऑस्ट्रियाई कोचों के सहयोग से एक सप्ताह का प्रशिक्षण शिविर भी शामिल है। नौ खिलाड़ियों की अंतिम टीम का चयन मुख्य कोच और नामीबिया के अनुभवी माइकल बास और उनके सहायक, स्विस राष्ट्रीय स्टीफन ग्रोगली ने किया। इसके अलावा, कोचिंग टीम को ऑस्ट्रिया के फैबियन ग्रीफ़ेनेडर का समर्थन प्राप्त होगा।

मिंज के अनुसार, टीम 31 अक्टूबर को शुरू होने से दो दिन पहले स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के खिलाफ दो दोस्ताना मैच खेलेगी।

मिंज ने कहा, प्रतियोगिता के पहले दिन, नामीबिया डेनमार्क, स्विटजरलैंड, यूरोपीय और विश्व चैंपियन जर्मनी और दक्षिण अमेरिकी पावरहाउस ब्राजील के खिलाफ मुकाबला करेगा। 1 नवंबर को नामीबिया अर्जेंटीना और भारत से भिड़ने से पहले ऑस्ट्रिया से खेलेगा। उसके अगले दिन मेजबान चिली का सामना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रारंभिक दौर में अपने प्रदर्शन के आधार पर, नामीबिया संबंधित प्लेसमेंट मैचों में आगे बढ़ेगा। टीम का लक्ष्य कम से कम 6वां स्थान हासिल करना है। 2014 के बाद से यह पहली बार होगा जब नामीबिया की अंडर-18 राष्ट्रीय टीम विश्व चैंपियनशिप में भाग लेगी।

## न्यूज़ ब्रीफ

### केन विलियमसन भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर, रिहैबिलिटेशन जारी

**नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन, कमर की चोट से उबरने के लिए पुणे में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को एक मीडिया विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विलियमसन को बेंगलुरू में शुरुआती टेस्ट से बाहर होना पड़ा क्योंकि वह श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान लगी चोट से उबर रहे थे। वह अपनी रिकवरी पर काम करने के लिए न्यूजीलैंड में ही रहे और पूरी तरह से फिट होने के लिए ऐसा करना जारी रखेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने उम्मीद जताई कि विलियमसन तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। स्टीड ने कहा, हम केन पर नज़र रख रहे हैं और वह सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी 100ऋ फिट नहीं हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उनमें और सुधार होगा और वह तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। हम उन्हें खुद को तैयार करने के लिए जितना संभव हो उतना समय देंगे, लेकिन निश्चित रूप से सतर्क रुख अपनाना जारी रखेंगे। न्यूजीलैंड ने पहला टेस्ट 8 विकेट से जीतकर भारत में टेस्ट जीत का 36 साल का इंतजार खत्म किया। दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से शुरू होगा जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट 1 नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा।

### भारत बनाम न्यूजीलैंड: पुणे टेस्ट में वापसी की उम्मीदें

**नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार के बाद भारतीय टीम के लिए अब पुणे में होने वाला दूसरा टेस्ट मैच करो या मरो का हो गया है। 24 अक्टूबर से होने वाले इस मैच में मेज़बान टीम को हर हाल में जीत हासिल करनी होगी, ताकि सीरीज जीतने की उम्मीदें जीवित रहें और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस में बने रहें। इस बार भारत ने काली मिट्टी की पिच तैयार कराई है, जिस पर घास का नामोनिशान नहीं है। यह पिच न केवल ज्यादा टर्न देने वाली है, बल्कि उछाल भी कम होगी। ऐसे में स्पिनर अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को नचाने का पूरा अवसर पाएंगे। यह बदलाव बेंगलुरू में मिली हार के मद्देनजर किया गया है, जहां भारत महज 46 रन पर ढेर हो गया था और न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। पहले मैच में हार के बाद, भारतीय टीम ने अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए वाशिंगटन सुंदर को शामिल किया है। अब यह संभावना है कि भारत पुणे टेस्ट में तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा। बेंगलुरू टेस्ट में भारत ने तीन तेज और दो स्पिनरों का संयोजन अपनाया था, लेकिन इस बार स्पिन गेंदबाजी को प्राथमिकता दी जा रही है। भारतीय टीम के लिए यह मैच जीतना बेहद जरूरी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी पुरानी ताकत, यानी स्पिनरों की क्षमता, एक बार फिर देखने को मिलेगी। अगर भारत इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है, तो यह न केवल सीरीज में वापसी का एक अवसर होगा, बल्कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भी उनकी संभावनाएं कायम रखेगा। इस प्रकार, पुणे टेस्ट मैच में भारतीय टीम की रणनीति स्पष्ट है: अपनी स्पिन गेंदबाजी का लाभ उठाकर विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालना और जीत के साथ सीरीज में अपनी स्थिति मजबूत करना ।

### पुजारा टीम में होते तो शायद स्थिति कुछ और होती, सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा में चेतेश्वर

**नई दिल्ली।** भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट के पहले दिन टीम इंडिया की हालत देखकर फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चेतेश्वर पुजारा टीम में होते तो शायद भारत की स्थिति कुछ और होती। हालांकि, पुजारा इस मैच का हिस्सा नहीं थे, लेकिन उन्होंने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करके अपनी काबिलियत को साबित किया। बता दें कि भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट के पहले दिन जब टीम इंडिया 46 रन पर सिमट गई। वहीं 16 अक्टूबर को पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ दोहरा शतक जमाया। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए खेलते हुए 23 रन की शानदार पारी खेली, जो फैंस के लिए उम्मीदों की किरण बनी। हालांकि, इस बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद सौराष्ट्र को मैच में जीत नहीं मिल पाई। छत्तीसगढ़ ने 578 रन बनाकर पारी घोषित की, और सौराष्ट्र ने 478 रन के साथ मैच बराबरी पर खत्म किया। पुजारा के साथ-साथ श्रेयस अय्यर ने भी रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने मुंबई की ओर से खेलते हुए महाराष्ट्र के खिलाफ 142 रन बनाए।

# 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से हटाए गए हॉकी, निशानेबाजी, क्रिकेट, बैडमिंटन और कुश्ती

**नई दिल्ली। ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को हटा दिया है। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने मंगलवार को आयोजन को बजट के अनुकूल बनाए रखने के लिए 10 विषयों की एक संक्षिप्त सूची का अनावरण किया। लागत को सीमित करने और लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वैश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है। ग्लासगो में केवल चार स्थान ही पूरे राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेंगे। 2022 बर्मिंघम संस्करण की तुलना में इस बार कुल 9 खेल कम होंगे। 2014 संस्करण के बाद 12 साल बाद ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। मेगा-इवेंट के 23वां संस्करण का आयोजन 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होगा।**

सीजीएफ ने एक बयान में कहा, खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, और 3×3 बास्केटबॉल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल,शामिल होंगे।

बयान में आगे कहा गया, खेल चार स्थानों स्कॉट्सटाउन स्टेडियम, टोलक्रॉस इंटरनेशनल स्विमिंग सेंटर, एमिरेट्स एरिना और स्कॉटिश इवेंट कैंपस (एसईसी) में होंगे। एथलीटों और सहायक कर्मचारियों को होटल आवास में रखा जाएगा।

यह रोस्टर भारत की पदक संभावनाओं के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि पिछले संस्करणों में देश के अधिकांश पदक हटाए गए खेलों से आए थे। हालांकि चार साल पहले लॉजिस्टिक्स के कारण बर्मिंघम खेलों से हटा दिए जाने के बाद शूटिंग की वापसी की कभी उम्मीद नहीं थी। ग्लासगो ग्रीन और स्कॉटिश प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र, जिसने 2014 में हॉकी और कुश्ती की मेजबानी की थी, को आयोजन स्थलों की सूची से हटा दिया गया है, जबकि सर क्रिस होय वेलोड्रोम, जहां उस वर्ष बैडमिंटन आयोजित किया गया था, इस बार केवल साइकिल चलाने के लिए उपयोग किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई राज्य विक्टोरिया 2026 संस्करण का मूल मेजबान था, लेकिन बढ़ती लागत के कारण पिछले साल उसने अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद स्कॉटलैंड मेजबानी के लिए आगे आया।

पैरा-एथलीट 2002 मैनचेस्टर संस्करण से खेलों का हिस्सा रहे हैं और 2026 संस्करण में भी बने रहेंगे।

सीजीएफ ने कहा, पैरा खेल को एक बार फिर खेलों के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता और अंतर के बिंदु के रूप में पूरी तरह से एकीकृत किया जाएगा, जिसमें छह पैरा खेलों को खेल कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

सीजीएफ ने कहा कि खेलों से शहर में 100 मिलियन पाउंड से अधिक का आंतरिक निवेश आएगा और इस क्षेत्र के लिए 150 मिलियन पाउंड से अधिक का आर्थिक मूल्य जोड़ने में मदद मिलने की उम्मीद है।

संस्था ने दावा किया कि यह सब एक ऐसे मॉडल की बदौलत संभव होगा जिसे विशेष रूप से खेलों के आयोजन के लिए सार्वजनिक धन की आवश्यकता नहीं होने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

राष्ट्रमंडल खेल महासंघ की सीईओ केटी सैडलेयर ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा,2026 के खेल कल के राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक पुल होंगे - भविष्य के लिए खेलों को वास्तव में सहयोगी, लचीले और टिकाऊ मॉडल के रूप में रीसेट और फिर से परिभाषित करने की हमारी यात्रा में एक रोमांचक पहला कदम जो लागत को कम करता है, पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करता है, और सामाजिक प्रभाव को बढ़ाता है।

# पूर्व विश्व नंबर 1 ओसाका चोट के कारण हांगकांग ओपन से हटीं

**हांगकांग।** चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है। हालांकि वह खेलेंगी नहीं, लेकिन टूर्नामेंट की अन्य गतिविधियों में हिस्सा लेंगी। आयोजकों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

हांगकांग, चीन टेनिस संघ ने एक बयान में कहा, हालांकि, नाओमी ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान कई गतिविधियों में भाग लेंगी, जिसमें अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलना भी शामिल है।

नाओमी के हवाले से कहा गया, मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टेनिस सत्र के बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है। मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेल न पाने की स्पष्ट निराशा के बावजूद, मैं अपने सभी अद्भुत हांगकांग प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहती हूँ कि मैं अभी भी इस आयोजन में भाग लूँगी। मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूँ।

ओसाका, जिन्होंने 2019 और 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2018 और 2020 में यूएस ओपन जीता, ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली जापानी खिलाड़ी हैं और एकल की शीर्ष रैंकिंग हासिल करने वाली एशिया की पहली खिलाड़ी हैं, उन्होंने जनवरी 2019 में नंबर 1 स्थान हासिल किया, जिसे उन्होंने 21 सप्ताह तक अपने पास रखा।

27 अक्टूबर से 3 नवंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में रूस की डायना श्नाइडर और अनास्तासिया पोटापोवा, कनाडा की गत चैंपियन लेयला फर्नांडीज, दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन और रोमानिया की पूर्व विश्व नंबर 1 सिमोना हालेप और ब्रिटेन की सर्वोच्च रैंकिंग वाली खिलाड़ी केटी बौल्टर जैसे सितारे शामिल होंगे।

# सरफराज खान को जन्मदिन पर मिला नन्हा मेहमान, बने पिता

**नई दिल्ली ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज सरफराज खान को उनके जन्मदिन पर एक बड़ा तोहफा मिला है। बेंगलुरु टेस्ट में शानदार 150 रन की पारी खेलने वाले सरफराज अब बेटे के पिता बन गए हैं।

उनकी पत्नी, रोमाना जहूर ने हाल ही में एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया। सरफराज खान का जन्म 22 अक्टूबर 1997 को मुंबई में हुआ था, और इस साल उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ घर पर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की। सरफराज ने अपने बेटे की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर इस खुशी को सभी के साथ बांटा।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने बच्चे को गोद में लिए एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनकी खुशी साफ नजर आ रही है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू पर, सरफराज ने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया था।

पहले मैच में उन्होंने 62 रन बनाए, लेकिन दुर्भाग्यवश रन आउट हो गए। दूसरी पारी में उन्होंने 68 रन की नाबाद पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

हालांकि, बांग्लादेश के साथ हुई सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में शुभमन गिल के अनफिट होने की वजह से उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया।

इस मौके का फायदा उठाते हुए सरफराज ने दूसरी पारी में शानदार 150 रन बनाए, जिससे उनकी प्रतिभा और काबिलियत साबित हो गई। सरफराज का यह प्रदर्शन उन्हें भारतीय क्रिकेट में एक नई पहचान दिलाने में सफल रहा है। अब, उनके लिए पिता बनने की खुशी इस नए सफर का एक और महत्वपूर्ण मोड़ है।

क्रिकेट प्रेमियों को सरफराज की और भी शानदार पारियों का इंतजार है, जबकि इस नए अध्याय के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं मिल रही हैं।

# अनुशासन और फिटनेस के मुद्दे पर मुंबई की टीम से बाहर हुए पृथ्वी शॉ

**मुंबई।** युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को आगामी रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अखिल हेरवाडकर को शामिल किया गया है, जिन्होंने 41 रणजी मैच खेले हैं।

सोमवार को घोषित टीम में एक और उल्लेखनीय बदलाव तनुश कोटियन का बाहर होना है, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने वाली भारत ए टीम में चुना गया है। उनकी जगह 28 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर करश कोठारी को लाया गया है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा टीम के चयन के बारे में जारी मीडिया विज्ञप्ति में शॉ की अनुपस्थिति का कारण नहीं बताया गया है, लेकिन इसे 24 वर्षीय सलामी बल्लेबाज के लिए एक सूक्ष्म चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है, जिसका अनुशासन संबंधी मुद्दों का इतिहास रहा है। माना जाता है कि संजय पाटिल (अध्यक्ष), रवि ठाकर, जीतेंद्र ठाकरे, किरण पोवार और विक्रांत येलिगेटी वाली मुंबई चयन समिति ने महसूस किया है कि शॉ को कम से कम एक मैच के लिए बाहर रखा जाना चाहिए।

यह अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी कि उन्हें अगले मैच के लिए वापस बुलाया जाएगा या नहीं, लेकिन चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन दोनों का मानना है कि यह बहिष्कार सलामी बल्लेबाज के लिए एक सबक हो सकता है, जो जाहिर तौर पर नेट्स और अभ्यास सत्रों में अनियमित रहे हैं।

मुंबई टीम के चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन का मानना है कि शॉ का वजन पहले से ही अधिक है। यह भी देखा गया है कि वह नेट अभ्यास सत्रों को गंभीरता से नहीं लेते हैं और उनमें अनियमित रूप से शामिल होते हैं। जबकि टीम में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी, जैसे श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और यहां तक कि कप्तान अजिंक्य रहाणे भी अपने अभ्यास में लगातार शामिल हो रहे हैं, शॉ लगातार अभ्यास सत्र छोड़ रहे हैं - कभी-कभी सस्ते में आउट होने के बाद भी वह हर दो सत्र छोड़ देते हैं।

शॉ ने पांच टेस्ट, छह वनडे और एक ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। 2018 में राजकोट में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट में शतक बनाने के बाद उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया था। हालांकि, क्रिकेट से बिल्कुल भी संबंधित नहीं होने वाले ऑफ-फील्ड मुद्दों ने उनके करियर को नीचे की ओर धकेल दिया है। इस सीजन में अब तक खेले गए दो रणजी मैचों में, उनका स्कोर 7 और 12 (बड़ौदा के खिलाफ), 1 और नाबाद 39 (महाराष्ट्र के खिलाफ) रहा है।

सीजन में अब तक खेले गए दो मैचों में से मुंबई ने एक में जीत दर्ज की है और एक में हार का सामना करना पड़ा है। मुंबई अपना अगला मैच 26 से 29 अक्टूबर तक अगरतला के एमबीबी स्टेडियम में त्रिपुरा से खेलेगी।

मुंबई टीम: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, अखिल हेरवाडकर, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), सिद्धांत अधातराव (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, कर्ष कोठारी, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, मोहम्मद जुनेद खान और रॉयस्टन डायस।

# पीकेएल-11: पुणेरी पलटन ने पटना पायरेट्स को 40-25 से हराया

**हैदराबाद।** कप्तान असलम इनामदार की अगुवाई में डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने तीन बार की चैंपियन पटना पायरेट्स को हराकर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। पुणेरी ने सोमवार रात गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 8वें मैच में पटना को 40-25 से हरा दिया। पटना को सीजन के पहले ही मैच में हार का मुंह देखना पड़ा।

पुणेरी ने डिफेंस में 20 और रेड में 15 अंक बटोरे। पलटन के लिए असलम (9 अंक) के अलावा मोहित गोयत (8 अंक), डिफेंडर अमन (6 अंक) और गौरव खत्री (6) ने भी दमदार प्रदर्शन किया। पटना के लिए देवांक (6 अंक) के अलावा अंकित (6 अंक) और अयान (5 अंक) ही अंक जुटा पाए।

डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी पलटन ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और पहले तीन मिनट के अंदर की 4-0 की लीड बना ली। लेकिन तीन बार की चैंपियन पटना ने भी सुपर टैकल से अंक लेकर बेहतरीन आगाज किया। पायरेट्स ने डू ऑर डाई में मोहित गोयत को टैकल करके स्कोर को 4-4 की बराबरी पर ला दिया।

पुणेरी की टीम ने इसके बाद कप्तान असलम इनामदार के सुपर रेड के दम पर पहले 10 मिनट के खेल में खुद को 7-5 से आगे कर लिया। पहले हाफ के शुरुआती 10 मिनटों के अंदर असलम ने तीन और अमन ने डिफेंस में दो अंक जुटाए।

मौजूदा चैंपियन ने इसके बाद 13वें मिनट में जाकर पटना को मैच में पहली बार ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 13-6 तक पहुंचा दिया। पटना की टीम सिर्फ डिफेंस में अंक ले पा रही थी और रेडिंग में शुभम शिंदे की टीम पीछे चल रही थी। पुणेरी पलटन ने यहां से लगातार अंक लेते हुए 15वें मिनट तक अपने स्कोर को 16-8 का कर दिया। असलम की टीम डिफेंस और रेडिंग के अलावा लगातार बोनस के जरिए भी अंक जुटा रही थी।

उधर, पुणेरी का डिफेंस लगातार दहाड़ रहा था और इसकी बदौलत टीम 17वें मिनट तक 18-8 से आगे हो गई। पलटन के डू ऑर डाई स्पेशलिस्ट मोहित गोयत ने भी मैच में अपना तीसरा अंक लेकर टीम की लीड को और मजबूत कर दिया। अगले ही मिनट में अमन ने अपने पीकेएल करियर का पांचवां हाई-फाइव भी पूरा कर लिया।

हाफ टाइम से पहले ही पटना एक बार फिर से ऑलआउट की कगार पर पहुंच गई। लेकिन पायरेट्स ने मोहित को सुपर टैकल करके खुद को ऑलआउट होने से बचा लिया। इसके बावजूद पुणेरी पलटन ने 20-10 से पहले हाफ को अपने पक्ष में रखा। पहले हाफ के अंदर ही जहां अमन ने अपना हाई फाइव पूरा किया तो वहीं कप्तान असलम ने सात अंक लिए।

सेकेंड हाफ के शुरू होने के बाद पटना एक बार फिर से ऑलआउट की कगार पर थी, लेकिन अयान ने असलम को बाहर कर दिया। पायरेट्स ने फिर सुपर टैकल करके अपनी वापसी का ऐलान कर दिया। पारयेट्स की वापसी की कोशिश के बावजूद पुणेरी की टीम 25वें मिनट तक 10 अंकों से आगे थी और उसका स्कोर 23-13 का था।

# बन जाएं फिट मॉम...

**आज** कल की भागदौड़ वाली जिन्दगी में वर्किंग मदर्स घर और बाहर इतनी बिजी हैं कि वे बच्चों के साथ-साथ खुद को भी समय नहीं दे पातीं। इसके साथ ही वे अपने खाने पीने का ख्याल नहीं रख पातीं जिससे वे बीमार पड़ जाती हैं और उनका बॉडी पोस्चर बिगड़ जाता है। हम आपको ऐसे खास टिप्स बता रहे हैं जो आपको तरो ताजा, फिट व स्टाइलिश लुक देंगे और आपकी हर दिन की खुशी दुगनी हो जाएगी।

## स्ट्रेच मार्क्स

अक्सर मां बनने के बाद शरीर पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं और शरीर फूल जाता है जिसके कारण महिलाओं का बॉडी पोस्चर बिगड़जाता है। अच्छा होगा परेशान होने की बजाए डॉक्टर से सलाह लें और अपनी परेशानी को दूर करें।

## मॉर्निंग वॉक

कहते हैं सुबह की हवा सेहतमंद होती है व दवा के तौर पर भी काम करती है। यह सांस और शरीर की अकड़न जैसी बीमारियों को दूर करती है और फेस की त्वचा को भी चमकदार व तरोताजा रखती है।

## जरूरी आहार लें

क्रैश डाइटिंग भूल कर भी न करें, जरूरी आहार लें जो शरीर व त्वचा दोनों को स्वस्थ रखेगा, ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें क्योंकि पानी सभी बीमारियों को दूर करता है।

## एक्सरसाइज करें

देश भर में योग का खुमार छा रहा है क्योंकि योग अपने आप में एक दवा है जो जड़ से बीमारी को दूर करती है, ज्यादा से ज्यादा उठने व बैठने वाला काम करे, एक्सरसाइज करें जिससे आप फिट ही नहीं तंदुरूस्त और हर वक्त दमकती रहेंगी।

# 18 जन्मों में सीखी 18 भाषाएं

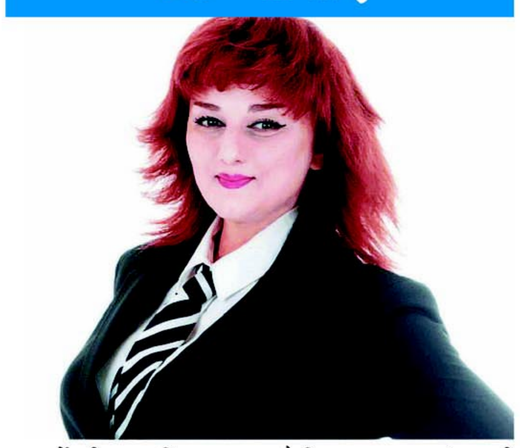

नार्वे की एक महिला का दावा है कि वह 18 भाषाएं जानती हैं और ये भाषाएं उन्होंने इस जन्म में नहीं, बल्कि अपने पिछले 17 जन्मों में सीखी है। मारिया जॉनसन के इस दावे की जबरदस्त चर्चा हो रही है। उनका कहना है कि हर भाषा पर मेरी अच्छी पकड़ है। क्योंकि पिछले जन्म में ये भाषाएं उनकी मातृ भाषाएं थीं।

मारिया का कहना है कि जब मैंने ये भाषाएं सीखने शुरू की, तो अहसास हुआ कि मैं इन्हें बहुत अच्छी तरह से जानती हूं। और इस बारे में मैंने कई मनोविश्लेषकों से बात की। सभी ने एक ही बात कही है। वह कहती है कि मैं इन भाषाओं वाले देशों में गई तो लगा कि मैं पहले भी वहां जा चुकी हूं। मेरे लिए यह बहुत आश्चर्यजनक था। वहां के लोगों से मिलने के बाद लगा जैसे वो मेरे अपने हैं। मानो मैं उनसे पहले भी मिल चुकी हूं। मारिया अंग्रेजी के अलावा नॉर्वे, फ्रांस, रूस, चीन, डेनमार्क, स्वीडन और जर्मनी की भाषाएं बोल तथा लिख सकती हैं। इसके अलावा वे बुल्गेरियन, सायबेरियन, पर्सियन, अफगानी, अरबी, हिन्दी, पॉलिश, टर्किश, इटेलियन और जापानी भाषा समझ सकती हैं। मिरर की खबर के अनुसार, मारिया एक मल्टीलिंगुअल डिजिटल मार्केटिंग कंपनी की सीईओ हैं। और मारिया के इस दावे को कई मनोवैज्ञानिकों ने सही भी ठहराया है।

# चलन में हैं शीयर आउटफिट्स

क्रीम, व्हाइट और आइवरी जैसे कलर्स के सी-थ्रू फैब्रिक्स से बने परिधान इन दिनों काफी चलन में हैं। हॉलीवुड सिंगर रिहाने से लेकर बॉलीवुड ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपडा तक कई सलेब्रिटीज पिछले दिनों शीयर आउटफिट्स में नजर आईं।

- शीयर परिधानों के साथ लेयरिंग अच्छी लगती है। उदाहरण के तौर पर, शीयर टॉप के साथ स्मार्ट ब्लेजर पहनें।
- शीयर अपरवेयर्स पहन रही हैं तो लॉन्जरी का चयन बेहद सावधानी के साथ करें। प्रिंटेड लॉन्जरी पहनने से बचें।
- बॉडी हगिंग शीयर परिधान न पहनें। हलके लूज शीयर परिधान पहनना ठीक रहता है।
- अगर आप शीयर टॉप पहन रही हैं, तो ओपेक बॉटम वेयर पहनें। वहीं अगर शीयर बॉटम वेयर पहन रही हैं तो ओपेक टॉप पहनें।

# हेयर एक्सटेंशन का कमाल...

पार्टी में जाना है और आपके पास बालों को कलर कराने और स्टाइल बनाने का टाइम नहीं है तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। हेयर एक्सटेंशन बालों की एक ऐसी एक्सेसरी है जो आपके लुक को बिना किसी नुकसान के खूबसूरत बना देती है। बालों को अगर बिना किसी हार्म के आप नया शेप और लुक देना चाहती हैं तो ये हेयर एक्सटेंशन आपके लिए कमाल के साबित हो सकते हैं। हेयर एक्सटेंशन आपके बालों से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान हो सकते हैं।

**पिछले** कुछ वर्षों में हेयर एक्सटेंशन बहुत लोकप्रिय हो गया है। इससे कई हस्तियां लंबे और घने बालों का लाभ उठा रही हैं। हेयर एक्सटेंशन का मतलब बालों को लंबा करना होता है। या तो ये असली बाल होते हैं या कृत्रिम बालों को सिर पर चिपकाया जाता है। इसके तहत जब रंग और बनावट वास्तविक बालों से मिल जाता है तब एक्सटेंशन मिश्रण को बालों पर लगाया जाता है। इसे देख कर आप खुद ही नहीं पहचान पाएंगे कि कौन से बाल असली हैं और कौन से नकली। यह प्रक्रिया बालों को घना और लंबा करती है। रंग का उपयोग करने से बाल कठोर भी नहीं होते हैं। हेयर एक्सटेंशन कई रंग, आकार, शैली और लंबाई में आते हैं। ये किसी भी प्रकार के बालों से मेल खा लेते हैं। प्राकृतिक या मानव हेयर एक्सटेंशन अधिक महंगे होते हैं क्योंकि इन्हें सेट किया जाता है, कलर किया जाता है, घुंगराला किया जाता है और इनकी क्वालिटी को इंप्रूव किया जाता है। सिंथेटिक बाल, कर्लिंग आयरन या हॉटब्लो ड्रायर के संपर्क में आने से पिघल जाते हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल आमतौर पर नहीं किया जाता है। सिंथेटिक एक्सटेंन्डेर किसी भी दुकान में मिल जाता है। मानव बाल एक्सटेंशन सामान्यतः किसी भी सैलून से खरीदा जा सकता है।

## शॉर्ट टर्म एक्सटेंशन

अगर आप हेयर एक्सटेंशन को सिर्फ एक पार्टी के लुक के लिए करना चाहती हैं तो आप शॉर्ट टर्म तरीका यानी कि क्लिप ऑन एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें आपके बालों की सतह पर हेयर क्लिप को अटैच कर दिया जाता है, जिन्हें आप पूरे दिन के इस्तेमाल के बाद आसानी से रात में निकाल सकती हैं। एक हफ्ते तक अगर आप बालों को उसी लुक में रखना चाहती हैं तो टेम्परेरी ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें बालों के स्कैल्प पर लिक्विड ग्लू लगाकर एक्सटेंशन को लगाया जाता है और इन्हें निकालने के लिए ऑयल बेस्ड सॉलवेंट का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने के लिए आप हेयर स्टाइलिस्ट की मदद लें।

## लांग टर्म एक्सटेंशन

लांग टर्म एक्सटेंशन करवाने में काफी समय लगता है और अगर इसे अच्छे से न करवाया जाए तो ये बालों को डैमेज भी कर सकता है। इंटरलॉक वर्जन प्रक्रिया के जरिए आपके बालों के ऊपरी सिरे पर हेयर एक्सटेंशन को लगाया जाता है। इसमें बालों को बिलकुल सीधा कर दिया जाता है जिसमें आप चोटी नहीं बना सकती हैं।

ब्रैंडेड वर्जन उन लोगों के बालों के लिए बहुत अच्छा है जिनके बाल मोटे होते हैं। ऐसे बालों में लगे हेयर एक्सटेंशन चोटी बनाने पर दिखते नहीं हैं।

## कृत्रिम बनाम प्राकृतिक

सिंथेटिक और नैचरल बालों में बहुत बडा अंतर होता है। सिंथेटिक बालों को आर्टिफिशियल तरीके से तैयार किया जाता है, जबकि नैचरल बालों को लोग कई बार डोनेट कर जाते हैं जिनसे हेयर एक्सटेंशन तैयार किए जाते हैं। नैचरल बालों से बने हेयर एक्सटेंशन खरीदने से पहले उसकी क्वॉलिटी चेक जरूर करें। इसके अलावा सिंथेटिक और नैचरल हेयर एक्सटेंशन में प्राइस डिफरेंस भी होता है। सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन बहुत कम दाम पर मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन ये नैचरल हेयर एक्टेंशन की तुलना में टिकाऊ नहीं होते। चूंकि नैचरल हेयर एक्सटेंशन को आप कलर भी कर सकते हैं इसलिए इनके दाम में भी काफी अंतर होता है। नैचरल हेयर एक्सटेंशन एक साल तक आराम से चल जाते हैं, जरूरत है बस अच्छे से देखभाल करने की। कुछ लोगों को सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन से एलर्जी होती है। इसके इस्तेमाल से पहले अपने हेयर स्टाइलिस्ट से इसके बारे में बात कर लें। अगर हेयर एक्सटेंशन अच्छे से लगाए गए हों तो ये बहुत ही सुंदर और बिलकुल असली लगते हैं।

## अनुभवी एक्सटेंशनिस्ट चुनें

एक अनुभवहीन एक्सटेंशनिस्ट आप के बालों को नुकसान पंहुचा सकता है। एक्सटेंशन के गलत प्रकार या एक्सटेंशन को गलत तरीके से लगाने से आप के बाल टूट सकते हैं। एक्सटेंशनिस्ट को पता होना चाहिए कि वह किस प्रकार बालों का परीक्षण करे कि बाल मजबूत हो सकें। एक्सटेंशनिस्ट के पास कॉस्मेटोलोजिस्ट का लाइसेंस होना चाहिए क्योंकि हेयर एक्सटेंशन के कई सारे तरीके होते हैं।

ये तरीके अलग अलग बालों के लिए अलग-अलग होते हैं, इसलिए आप को पेशेवर की खोज करनी चाहिए जिसे सिर्फ एक विधि ही नहीं बल्कि अलग अलग विधियों का अनुभव हों। एक्सटेंशनिस्ट हमेशा वही विधि बेचना चाहते हैं जो उनको आती है। अगर उनको केवल एक तरीका पता है, तो वह आप के बालों के लिए अच्छा नहीं होगा। इसके आलावा एक्सटेंशनिस्ट आप को अलग अलग पद्धितियों का प्रमाण पत्र भी दिखाएगा और बताएगा कि उसे अलग अलग विधियां आती हैं। आप एक्सटेंशनिस्ट से उसका पोर्टफोलियो मांगे और जांच करें कि उसने कितने लोगों का हेयर एक्सटेंशन किया है और कौनसी विधि से।

## हेयर एक्सटेंशन के तरीके

**वेव्स:** यह चोटी कौनरोव्स की तरह होती है मगर यह छिपी रहती है। इस विधि के साथ दिक्कत यह है कि यह प्राकृतिक बालों में तनाव पैदा करती है, खासकर जब बाल धोते है या तैराकी के बाद। यह न केवल आप के बालों की बुनाई को ढीला कर देती हैं बल्कि यह प्राकृतिक बालों में फंस कर बालों को तोड़ देती है।

**बोन्डिंग:** इस विधि में जो एक्सटेंशन इस्तेमाल किया जाता है वह लेटेक्स प्लग है जो बालों को चिपकाता है। यह शॉर्ट टर्म के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह प्रक्रिया बहुत जल्दी हो जाती है और बहुत सस्ती भी है। हालांकि एक्सटेंशन को हटाने के लिए तेल या किसी गर्म वस्तु का प्रयोग किया जाता है, जो बोन्डिंग एजेंट को गला देता है। यदि सावधानी से नहीं हटाया गया तो यह आप के बालों को भी बाहर खींच सकता है।

**मेटल ट्युबिंग:** हेयर एक्सटेंशन को प्राकृतिक बालों में दबाने के लिए मेटल ट्युबिंग का इस्तमाल किया जाता है। कुछ मामलो में यह प्रक्रिया बालों को तोड़ देती है इसलिए विशेषज्ञ इस विधि को अपनाने की सलाह नहीं देते।

**हीट-श्रींक ट्युबिंग:** यह प्रक्रिया प्राकृतिक बालों को नुकसान नहीं पहुचाती है, लेकिन इसमें चिपकने की शक्ति बहुत कम होती है, जिससे हेयर एक्सटेंशन ठीक से चिपक नहीं पता। दो-तीन बार बालों को धोने के बाद ट्युब ढीला हो जाता है और बालों का किनारा निकलने लगता है जिसके चलते अधिक बाल झड़ने लगते हैं।

**एडेसिव बेस्ड फ्यूजन:** यह सबसे अच्छा तरीका है, हालांकि इसमें जिस प्रकार का एडेसिव प्रयोग किया जाता है वह बहुत महत्वपूर्ण है। वेक्स बेस्ड एडेसिव में पिघलने का बिंदु कम होता है इसलिए पेशेवर इसका इस्तेमाल करते हैं। यह एडेसिव गर्मी और रासायनिक उपचार दोनों का सामना करता है। हेयर एक्सटेंशन को हटाने के लिए एडेसिव रीमूवर का इस्तमाल किया जाता है।

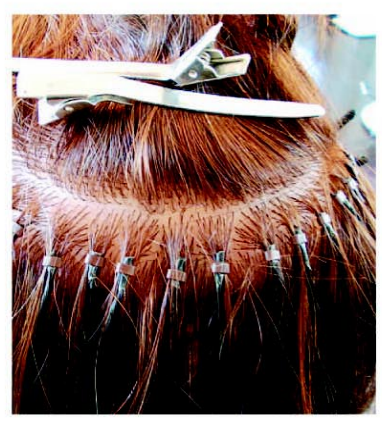

## कैसे करें देखभाल

- नैचरल हेयर एक्सटेंशन का ध्यान आप उसी तरह रखें जैसे कि आप अपने कुदरती बालों का रखती हैं।
- अगर बालों को अच्छी तरह से सुखाया न जाए तो इसके कारण स्कैल्प खराब होने की समस्या हो सकती है। कई बार बालों की जड़ों में फंगस भी लग जाता है। अपने बालों को कई हिस्से में बांट कर इन्हें अच्छे से सुखाएं।
- अपने कुदरती बालों का खास खयाल रखें क्योंकि अगर ये टूटने और झड़ने लगे तो आपका हेयर एक्सटेंशन समय से पहले निकल सकता है।
- ज्यादा समय तक लगा हुआ हेयर एक्सटेंशन बालों को नुकसान पहुंचा सकता है,इसलिए इन्हें छः हफ्ते में या फिर दस हफ्ते में एक बार निकलवा दें।
- अगर आपने ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्टेंशन लगवाए हैं तो बालों में तेल का इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से आपके एक्सटेंशन पर लगा ग्लू हट जाएगा और आपको समय से पहले अपने एक्सटेंशन हटवाने पडेंगे।

# आज क्या पहना जाए...?

**आप** रोजाना ऑफिस जाती हैं और सुबह अलमारी से कपड़े निकालते समय सोचती हैं कि आज क्या पहना जाए। हर कामकाजी महिला की यही परेशानी है। उन्हें समझ नहीं आता कि उन्हें आज क्या पहनना चाहिए, भले ही उनकी अलमारी कपड़ों से अटी पड़ी हो। आप दरअसल अपने कपड़ों से बोर हो चुकी हैं। आपका मन कर रहा है कि आप ऑफिस में स्टाइलिश बनकर जाएं लेकिन सवाल उठता है कि आप ऐसा क्या पहनें, जो स्मार्ट दिखने के साथ ही आपकी बॉडी शेप के अनुकूल परफेक्ट हो।

## लिनेन के शर्ट

हल्के रंग वाले लिनेन के शर्ट कमाल के लगते हैं। इसे बेहतरीन फिटिंग वाली ट्राउजर या जींस के साथ पहनिए। यदि आपके ऑफिस में स्कर्ट पहनने की इजाजत है तो स्लिट वाली ऑफिस स्कर्ट के साथ भी यह बहुत अच्छे लगते हैं। ऑफिस के बाद दोस्तों के साथ बाहर जाना हो तो रंगीन स्कार्फ या जैकेट के साथ ये परफेक्ट लगते हैं।

## सिगरेट पैंट

सिगरेट पैंट स्लिम फिटिंग वाले पैंट होते हैं, जो आपकी बॉडी शेप को स्लिम लुक देते हैं। ऑफिस के लिहाज से काले, ग्रे, ब्राउन, मिलिट्री जैसे रंग अच्छे हैं। चाहें तो कुछ डिफरेंट दिखने की कोशिश में आप चेक प्रिंट वाले पैंट्स खरीद कर पहन सकती हैं।

## डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती

इन दिनों बाजार में कई डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती मिल रही हैं, जो एलीगेंट होने के साथ ही कंफर्टेबल भी होती हैं। ऑफिस ड्रेस के हिसाब से कुर्ती बिल्कुल परफेक्ट है। लेकिन ऑफिस की नीरसता को तोड़ने के लिए गहरे चटख रंगों वाली कुर्ती खरीदिए। नीला और बैंगनी रंग ऑफिस के डेकोरम के हिसाब से बिल्कुल सही है और चटख भी। आप चाहें तो क्वर्की प्रिंट्स वाली कुर्तियां भी खरीद सकती हैं, ये बिल्कुल नया ट्रेंड है। फ्रंट स्लिट वाली कुर्ती इन दिनों हॉट है,इसे जरूर खरीदें।

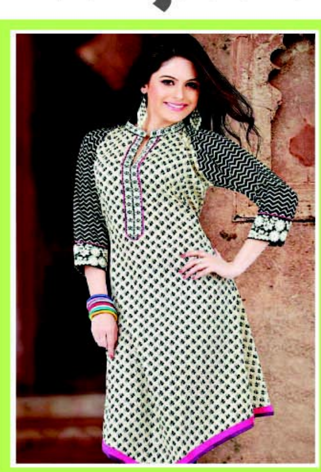

## सिल्क और शिफॉन स्कार्फ

यदि आपने कोई सादी शर्ट पहनी है और आपको अपना लुक बोर लग रहा है तो फिक्र की बात नहीं है। अपनी अलमारी से एक खूबसूरत सा स्कार्फ निकालिए और गले में बांध लीजिए या यूं ही लटका लीजिए। सिल्क और शिफॉन के स्कार्फ ऑफिस सेटअप में अच्छे दिखते हैं। ऐसे रंगों के स्कार्फ लीजिए, जो आपकी ड्रेस के विपरीत रंग के हों। कई लोग बैग में भी स्कार्फ बांध लेते हैं, जो अच्छा दिखता है।

## काले रंग का पम्प

किसी भी कामकाजी महिला के पास एक काले रंग का पम्प जरूर होना चाहिए। यह हर ड्रेस के साथ मैच करता है और अच्छा भी दिखता है। लेकिन पम्प वही लीजिए, जो आगे से बंद हो यानी जिसमें पैर न दिख रहे हों।

## पतले फैब्रिक वाले ब्लेजर

ब्लेजर सिर्फ सर्दियों में नहीं पहने जाते, हल्के मौसम में भी ब्लेजर पहने जाते हैं, लेकिन पतले फैब्रिक वाले। ब्लेजर किसी भी बॉडी शेप वाली महिला पर सूट करते हैं। साथ ही ऑफिस मीटिंग या ऑफिशियल कार्यक्रमों के लिहाज से अच्छे भी लगते हैं। लेकिन ध्यान रखिए कि ब्लेजर की सिलाई बेतहरीन हो, फिटिंग कमाल की हो और यह मुलायम पतले कपड़े का बना हो। लाल और बैंगनी रंग के ब्लेजर किसी की भी बोरियत को दूर करने की क्षमता रखते हैं।

# यूं करेंगे पार्ट टाइम वर्क तो सफल रहेंगे आप

**पार्ट** टाइम वर्क और वर्क फ्रॉम होम पालिसीज कॉपोरर्टे वर्ल्ड में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कुछ संगठन एंप्लॉयजी को वर्कलाइफ बैलेंस हासिल करने में मदद करने के लिए यह चीजें अपना रहे हैं। अन्य संगठन यातायात की समस्या, प्रदूषण और तनाव से निपटने का इनको बेहतर तरीका मानती हैं। अगर आप भी वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम वर्क करते हैं तो हम आपको बता रहे हैं सुझाव जिसकी मदद से आप असरदार ढंग से काम को अंजाम दे सकते हैं। पार्ट टाइम वर्कमॉडल को चुनने से पहले आपको पहले ऐसी प्राथमिकताओं को चुनना चाहिए जो आपके और आपके संगठन, दोनों के हित में है। आपके संगठन को आपके पार्ट टाइम काम, पार्ट टाइम काम के लिए बंदोबस्त और इसकी अवधि की जानकारी होनी चाहिए। यह बेहतर होगा कि आपको कंपनी से और कंपनी को आप से क्या उम्मीदें हैं, स्पष्ट कर लें।

## अनुशासित बनें

जब तक आप खुद को अनुशासित नहीं करेंगे तब तक पार्ट टाइम वर्क या वर्क फ्रॉम होम, को आप ढंग से नहीं कर पाएंगे। काम करते समय यह सुनिश्चित करें कि आप एक बार में कोई एक ही काम करें। इससे आपका काम और निजी प्रतिबद्धताएं का घालमेल हो जाएगा। अनुशासित तरीके से काम करने से आप समय पर और केंद्रित ढंग से काम को अंजाम दे सकेंगे।

## घर पर काम के लिए जगह होनी चाहिए

आपके घर पर इतनी जगह होनी चाहिए कि आप सही से काम कर सकें। आपके घर की यह जगह लगभग आपके ऑफिस जैसी होनी चाहिए यानी ऑफिस में आपके पास जरूरत की जितनी चीजें होती हैं, वे सभी वहां भी मौजूद होनी चाहिए। इस जगह पर कोई ऐसी गतिविधि जैसे संगीत और टेलिविजन के शोर से दूर होनी चाहिए ताकि आप अपने काम पर ध्यान दें और आपका ध्यान इधर-उधर नहीं भटके।

## काम से समझौता न करें

यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ इतना फर्क होगा कि आप अपने वर्कप्लेस पर शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे और थोड़ा काम की अवधि में भी राहत मिल सकती है। लेकिन, आपको उतना ही काम करना पड़ेगा जितना आप ऑफिस या वर्कप्लेस पर आकर करते हैं। इसलिए काम से किसी तरह का समझौता नहीं करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**